दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 352 | ग्वालियर, सोमववार 02, सितंबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2

न्यूज ट्रैक

पुणे में महिला की सिर कटी लाश की गुत्थी सुलझी, भाई-भाभी ने इस वजह से की हत्या

पुणेः महाराष्ट्र के पुणे शहर में इस सप्ताह की शुरुआत में नदी किनारे एक महिला का सिर कटा शव मिलने के सिलसिले में एक दंपति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार को अशफाक खान और उसकी पत्नी हमीदा को गिरफ्तार कर लिया गया जिन्होंने कथित तौर पर एक झुग्गी में कमरे के स्वामित्व को लेकर हुए विवाद में 48 वर्षीय सकीना की हत्या कर दी। सकीना आरोपी अशफाक की बहन थी। पुलिस को 26 अगस्त को खराडी क्षेत्र में मुथा नदी के किनारे एक महिला का शव मिला था जिसका सिर और हाथ-पैर कटे हुए थे। अधिकारी ने बताया कि जांच के बाद महिला की पहचान सकीना खान (48) के रूप में हुई। संयुक्त पुलिस आयुक्त रंजन कुमार शर्मा ने कहा, ''पुणे शहर की पुलिस ने मुथा नदी के किनारे से एक महिला का धड़ बरामद किया। शरीर पर कोई कपड़े नहीं थे और आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए उसे नदी में फेंकने से पहले टुकड़ों में काट दिया था। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने कथित तौर पर पीड़िता का गला घोंट दिया, उसका सिर काट दिया और सबूत मिटाने के लिए शव के टुकड़े कर दिए। अधिकारी ने बताया कि दंपति को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 (हत्या) और 238 (साक्ष्य मिटाने) के तहत गिरफ्तार किया गया है।

क्या पाकिस्तान के साथ बातचीत से घाटी में आतंकवाद खत्म हो जाएगाः भाजपा नेता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस से पूछा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) की आलोचना करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रवींद्र रैना ने रविवार को उससे पूछा कि क्या पड़ोसी देश के साथ बातचीत शुरू करने से केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद और रक्तपात समाप्त हो जाएगा। रैना ने उम्मीदवारों के चयन को लेकर अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के विरोध और इस्तीफों को अधिक तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि भाजपा अपने दम पर सरकार बनाएगी। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव 18, 25 सितंबर और एक अक्टूबर को होंगे। मतगणना आठ अक्टूबर को होगी। रैना ने कहा, ''दुर्भाग्यवश, नेकां के नेता लोगों के कल्याण, पाकिस्तानी बंदूक के बारे में बात नहीं करते हैं जो हमारी भूमि पर मौत और विनाश लेकर आई। पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करके वे सही काम नहीं कर रहे हैं।%% उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत शुरू करना केवल केंद्र सरकार का विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा, ''नेकां नेताओं को पता होना चाहिए कि हमारे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी दोस्ती का हाथ बढ़ाने के लिए बस में सवार होकर पाकिस्तान गए थे, लेकिन पाकिस्तान ने कारगिल युद्ध शुरू करके भारत की पीठ में छुरा घोंपा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी अफगानिस्तान से वापसी में लाहौर गए, लेकिन आतंकवादी हमले और निर्दोष लोगों की हत्याएं जारी रहीं। टिकट बंटवारे को लेकर पार्टी में नाराजगी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि भाजपा एक परिवार की तरह है और एक टीम की तरह मिलकर काम करती है। उन्होंने कहा, ''जब जम्मू-कश्मीर में (पार्टी के) 15 लाख पंजीकृत सदस्य हों, तो राजनीतिक कार्यकर्ताओं की अपनी-अपनी आकांक्षाएं होती हैं, लेकिन प्रत्येक सीट के लिए केवल एक नाम तय किया जाता है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शांति, समृद्धि और विकास की बहाली करके जम्मू-कश्मीर की तकदीर बदल दी है। 'वीडियो वैन की शुरुआत पर उन्होंने कहा कि यह प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र होकर गुजरेगी। पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार की उपलब्धियों, विशेष रूप से अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद समाज के वंचित वर्गों को न्याय दिलाने को रेखांकित किया जाएगा।

महिला डॉक्टर के मर्डर के बाद भी कुछ नहीं बदला

कोलकाताः कोलकाता आरजे कर मेडिकल में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ हुए जघन्य अपराध के बाद पश्चिम बंगाल में विरोध प्रदर्शन और रैलियां निकाली जा रही हैं। बड़ी संख्या में लोग डॉक्टर को न्याय दिलाने के लिए सड़कों पर उतरे हुए हैं। लेकिन इन सबके बावजूद महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ छेड़छाड़ और रेप की घटनाएं कम नहीं हो रही हैं। सितंबर के पहले दिन की बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में कई महिलाओं और बच्चियों के साथ रेप और छेड़छाड़ के मामले सामने आए हैं। हावड़ा जिले में एक सरकारी अस्पताल में 12 वर्षीय एक लड़की से कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के मामले में एक प्रयोगशाला तकनीशियन को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार शाम हावड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल में हुई, जहां लड़की को पिछले सप्ताह भर्ती कराया गया था। लड़की के परिवार के एक सदस्य ने दावा किया कि वह प्रयोगशाला से रोते हुए बाहर आई, क्योंकि आरोपी ने उसे ÷अनुचित तरीके से छुआ था और उसे धमकी दी थी कि अगर उसने इस मामले के बारे में किसी को बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

भारत में है एशिया का सबसे अमीर गांव

नई दिल्ली। हम जिस देश में रहते हैं उसका नाम भारत है। आज के समय में भले ही लोग जीवन यापन के लिए गांव से शहर की ओर पलायन कर रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यही है कि भारत हमेशा से गांवों का देश रहा है और आज भी है। देश की अधिकांश आबादी अभी भी गांवों में निवास करती है। जब आप गांव का नाम सोचते हैं, तो आपके मन में किसान, बैलगाड़ी, झोपड़ी, खेती-बाड़ी, सादा जीवन और पिछड़े लोगों की छवि उभरती होगी। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जो इन सभी धारणाओं को बदल देगा। यह गांव भारत का सबसे अमीर गांव ही नहीं बल्कि पूरे एशिया का सबसे अमीर गांव है। इस गांव के लोग इतनी संपत्ति के मालिक हैं कि उनकी लाइफस्टाइल देखकर आप दंग रह जाएंगे। इसके साथ ही गांव को लेकर आपके मन में जो भी गलतफहमियां होंगी, वे सब खत्म हो जाएंगी। आइए, विस्तार से जानते हैं इस अनोखे गांव के बारे में।
देश की राजधानी दिल्ली से मात्र 300 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक गांव है, जिसका नाम मड़ावग गांव है जो हिमाचल प्रदेश की राजधानी से केवल 90 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह गांव भारत ही नहीं बल्की एशिया के सबसे अमीर गांवों में से एक माना जाता है। इस गांव की छवि किसी भी सामान्य भारतीय गांव के विपरीत है। यहां झोपड़ियों के बजाय आलीशान मकान हैं, घरों के सामने बैलगाड़ियों के बजाय लग्जरी कारें खड़ी होती हैं, और ग्रामीण साधारण नहीं, बल्कि एक उच्च श्रेणी की जीवनशैली जीते हैं। यहां के लोग गरीब नहीं बल्कि हर घर में करोड़पति हैं।

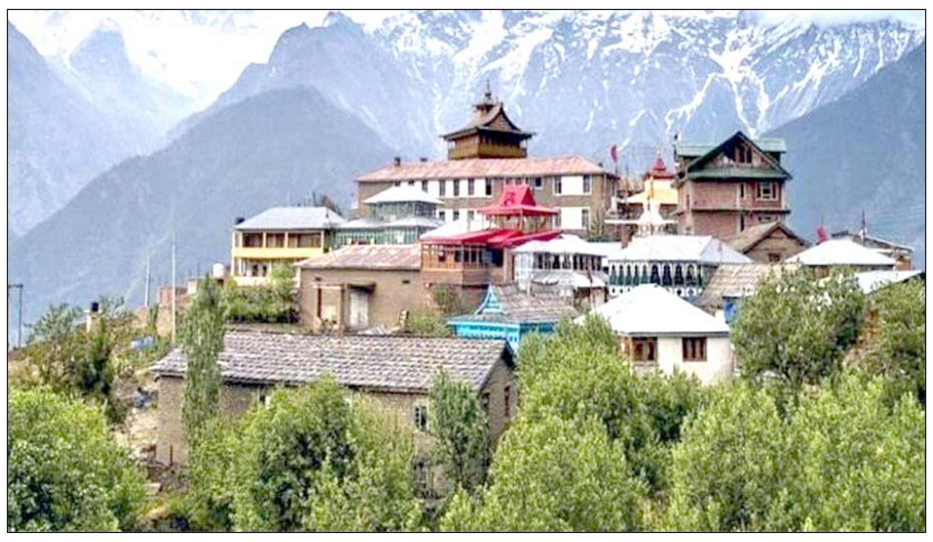

आश्चर्यचकित मत होइए, यह गांव केवल भारत ही नहीं, बल्कि एशिया का सबसे अमीर गांव है। यदि हम कहें कि इस गांव में पेड़ों पर पैसे% उगते हैं, तो यह कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। मड़ावग गांव हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला से लगभग 90 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह गांव अपनी समृद्धि और भव्य जीवनशैली के लिए जाना जाता है। यहां के लोग इतनी संपत्ति के मालिक हैं कि उनके रहन-सहन और ऐश्वर्य को देखकर ऐसा लगता है कि यह कोई मेट्रो सिटी है, न कि एक सामान्य ग्रामीण इलाका। यह गांव अपनी समृद्धि और ऐश्वर्य के लिए प्रसिद्ध है। यहां के निवासी उच्चस्तरीय जीवन जीते हैं, जिसमें आलीशान मकान, लग्जरी गाड़ियां और भव्य जीवनशैली शामिल हैं। मड़ावग के लोग मुख्य रूप से सेब की खेती करते हैं। यह गांव 230 परिवारों से मिलकर बना है और यहां के निवासी सेब की खेती करके विशाल संपत्ति कमा रहे हैं। प्रारंभ में यहां आलू की खेती की जाती थी, लेकिन 1953-54 में गांव के निवासी चइयां राम मेहता ने सेब के बाग लगाए। इसके बाद से गांव के लोग सेब की खेती के प्रति उत्साहित हो गए और यह गांव सेब उत्पादन का केंद्र बन गया। मड़ावग के सेब देश और दुनिया भर में मशहूर हैं। यहां के सेबों की गुणवत्ता इतनी उच्च है कि यह जम्मू-कश्मीर के सेबों को भी पीछे छोड़ देते हैं। मड़ावग के सेब की बिक्री से सालाना लगभग 175 करोड़ रुपये की आय होती है। प्रत्येक परिवार साल भर में सेब बेचकर करोड़ों की कमाई करता है। गांव के किसान परिवारों की सालाना आमदनी 35 लाख रुपये से लेकर 80 लाख रुपये तक है। मड़ावग के सेब केवल स्वाद और गुणवत्ता में ही बेहतरीन नहीं हैं, बल्कि प्रति एकड़ उत्पादन के मामले में भी यह गांव रिकार्ड स्थापित कर चुका है। यहां के बागवान उच्च गुणवत्ता के सेब का उत्पादन करते हैं, जो उन्हें ग्रामीण विकास और आर्थिक समृद्धि की दिशा में एक प्रमुख उदाहरण बनाता है। मड़ावग का यह विकास और समृद्धि दर्शाता है कि सही तकनीक और मेहनत से एक छोटे से गांव को भी समृद्ध किया जा सकता है। इस गांव का उदाहरण एशिया के सबसे अमीर गांव के रूप में उसकी पहचान को और मजबूत करता है।

पहले भारतीय, फिर तेल!, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने इंडियन ऑयल के 65वें स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्लीः केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को कहा कि इंडियन ऑयल एंड गैस परिवार द्वारा 65वें इंडियन ऑयल स्थापना दिवस के अवसर पर मैं अपनी ऊर्जा यात्रा के एक अक्सर अनदेखा पहलू को उजागर करना चाहता हूं और हमारे ऊर्जा सैनिकों के मौन योगदान को भी उजागर करना चाहता हूं, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि भारत हमेशा आगे बढ़ता रहे, पेट्रोल, डीजल, गैस सिलेंडर की कभी कमी न हो, चाहे चक्रवात, तूफान, भूस्खलन या बाढ़ क्यों न आए। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में असम में बाढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और केरल में अभूतपूर्व बारिश और उसके बाद भूस्खलन, हमारे देश के विभिन्न हिस्से दुर्भाग्य से प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि एनडी

आरएफ और एसडी आरएफ के बहादुर कर्मियों ने अन्य स्थानीय और केंद्रीय बलों के साथ मिलकर राहत और बचाव सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम किया, बहुत कम लोगों ने पृष्ठभूमि में काम करने वाले हमारे तेल कंपनियों के काम को देखा है, जो हर संभव सहायता सुनिश्चित करने के लिए की तरह युद्ध स्तर पर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि देहरादून, सरसवा और मोहाली जैसे स्थानों से एटीएफ की आपूर्ति अग्रिम हेलीपैडों पर पहुंचाई गई, क्योंकि सड़कों पर भूस्खलन के कारण फंसे हुए स्थानीय लोगों और पर्यटकों को हवाई मार्ग से उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों से निकाला जाना था। हरदीप पुरी ने कहा कि पेट्रोलियम मंत्रालय के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों और इंडियन ऑयल के नेतृत्व में हमारी तेल विपणन कंपनियों द्वारा संचालित एक 24*7 वॉर रूम स्थापित किया गया था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रभावित लोग यथाशीघ्र अपने गंतव्य तक पहुंचें। फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए अभियान ?मिशन मोड में चलाया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा बताए गए पूरे सरकारी दृष्टिकोण को हम सभी के लिए चिंता के समय में साकार किया जा सके।

हावड़ा अस्पताल में लड़की के साथ छेड़छाड़

पश्चिम बंगाल - पश्चिम बंगाल में दुष्कर्म और अन्य गंभीर अपराधों की घटनाएँ थमने का नाम नहीं ले रही हैं। हाल ही में कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि राज्य से एक और गंभीर मामला सामने आया है। इस बार, हावड़ा के एक अस्पताल में इलाज के लिए आई एक 13 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ की घटना प्रकाश में आई है। पश्चिम बंगाल के हावड़ा अस्पताल में एक 13 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ का गंभीर मामला सामने आया है। लड़की को 28 अगस्त को निमोनिया की शिकायत के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शनिवार रात, जब उसे सीटी स्कैन के लिए ले जाया गया, तो सीटी स्कैन रूम में अस्पताल के अस्थायी कर्मचारी अमन राज द्वारा छेड़छाड़ की गई।लड़की की हालत इतनी खराब हो गई कि वह रोते हुए सीटी स्कैन रूम से बाहर आई। परिजनों ने बताया कि लड़की ने बाहर आते ही किसी अन्य मरीज के रिश्तेदार से मदद मांगी। इसके बाद परिजनों को इस घटना के बारे में जानकारी मिली, और उन्होंने तुरंत अस्पताल प्रशासन और पुलिस को सूचित किया। लड़की के परिजनों ने घटना की सूचना अस्पताल प्रशासन और पुलिस को दी और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने अस्थायी कर्मचारी अमन राज को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। अस्पताल प्रशासन ने पीड़िता को पूरी चिकित्सा सहायता प्रदान की है और उसकी मानसिक व शारीरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मणिपुर में फिर हिंसा, उग्रवादियों ने की अंधाधुंध गोलीबारी

मणिपुर। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में रविवार को संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले में एक महिला की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, उग्रवादियों ने पहाड़ी के ऊपरी इलाके से कोत्रुक और पड़ोसी कडांगबांड के घाटी के निचले इलाकों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी करन के साथ बम से हमले किए। पुलिस ने बताया कि इस हमले में एक महिला की मौत हो गयी जबकि उसकी आठ साल की बेटी और एक पुलिस अधिकारी समेत चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि गांव पर अचानक हुए हमले से लोगों में दहशत फैल गई, जिससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। मृतक महिला की पहचान नगांगबाम सुरबाला देवी (31) के रूप में हुई है, जिसका शव पोस्टमार्टम के लिए क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) ले जाया गया है। सुरबाला की बेटी और पुलिस अधिकारी एन. रॉबर्ट (30) को रिम्स में भर्ती कराया गया है, जबकि दो अन्य राज मेडिसिटी में अपना इलाज करवा रहे हैं। गोलीबारी और बम विस्फोट के समय पीड़ित अपने घरों पर थे। पुलिस ने बताया कि हालात को स्थिर करने के लिए राज्य और केंद्रीय इकाइयों सहित सुरक्षा बलों को इलाके में तैनात किया गया है।

भारी बारिश का कहर जारी, एक व्यक्ति की मौत, तीन पानी में बहे

हैदराबादः तेलंगाना में हैदराबाद सहित राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि तीन लोगों के पानी में बह जाने की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। हालात के मद्देजनर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंत्रियों, अधिकारियों और निर्वाचित सदस्यों के साथ आपातकालीन समीक्षा की। महबूबाबाद और खम्मम जिलों में रविवार को बारिश से संबंधित अलग-अलग घटनाओं में एक महिला की मौत हो गई और तीन अन्य के बह जाने की आशंका है। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के एक अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश और कई स्थानों पर पटरियों पर जलभराव के कारण 99 ट्रेन रद्द कर दी गईं और चार ट्रेन आंशिक रूप से रद्द कर दी गईं, जबकि 54 ट्रेन के मार्ग में परिवर्तन किया गया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि राज्य में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए रेड्डी ने वर्षा प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा की और मंत्रियों से फोन पर बात करने के साथ जलमग्न क्षेत्रों में राहत कार्यों के बारे में जानकारी ली।
केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स% पर एक पोस्ट में कहा, ''माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी को तेलंगाना के खम्मम में गंभीर स्थिति के बारे में सूचित किया और बताया कि जिले के 110 गांव जलमग्न हो गए हैं, नौ लोग प्रकाश नगर पहाड़ी पर फंसे हुए हैं, पलैर निर्वाचन क्षेत्र में अजमीरा थांडा पहाड़ी पर 68 लोग फंसे हैं और 42 अन्य लोग इमारतों में फंसे हुए हैं। संजय कुमार ने बताया कि गृहमंत्री के आदेश के बाद चेन्नई, विशाखापट्टनम और

असम से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की तीन-तीन टीम तेलंगाना भेजी गई हैं। कुमार ने कहा कि उन्होंने बचाव प्रयासों में समन्वय के लिए एनडीआरएफ के वरिष्ठ अधिकारियों से बात की तथा तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ भी हालात और जारी बचाव कार्यों पर चर्चा की। पुलिस ने बताया कि रविवार तड़के महबूबाबाद जिले के मारीपेडा मंडल में उफनती नदी को पार करते समय एक कार के बह जाने से उसमें अपने पिता के साथ सवार एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि वाहन का पता लगा लिया गया है और महिला का शव बरामद कर लिया गया है। महिला के पिता का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में खम्मम जिले के कुसुमांची मंडल में एक घर की दीवार गिरने से परिवार के दो सदस्यों के बाढ़ के पानी में बह जाने की आशंका है और उन्हें ढूंढ़ने के प्रयास जारी हैं। मौसम केंद्र ने रविवार को कहा कि रविवार दोपहर 13= 00 बजे से दो सितंबर सुबह 8=30 बजे तक तेलंगाना के आदिलाबाद, निजामाबाद, राजन्ना सिरसिला, यादाद्री भुवनगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, कामारेड्डी और महबूबनगर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी से अत्यंत भारी बारिश होने की संभावना है। इस पूर्वानुमान के लिए 'रेड अलर्ट जारी किया गया है। एससीआर अधिकारी ने बताया कि पिछले 24 घंटों में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में लगातार बारिश के कारण काजीपेट से विजयवाड़ा खंड में बाढ़ आ गई है और दरारें पड़ गई हैं और पांच ट्रेन फंस गई हैं, जबकि अधिकारियों ने 15 ट्रेन को परिवर्तित मार्ग से चलाया है। महबूबाबाद जिले में केसमुद्रम के निकट रेल पटरी के नीचे की बजरी का एक हिस्सा बाढ़ के पानी में बह गया, जिससे ट्रेन सवार यात्री केसमुद्रम रेलवे स्टेशन पर फंस गए। भारी बारिश के बाद कुछ जिलों में छोटी नदियां उफान पर हैं और बाढ़ के पानी के कारण गांवों के बीच सड़क संपर्क बाधित हो गया है। हैदराबाद में रातभर बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव हो गया। तेलंगाना के कई हिस्सों में शनिवार को मध्यम से भारी बारिश हुई जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया और कुछ स्थानों पर गांवों के बीच सड़क संपर्क बाधित हो गया। मुख्यमंत्री ने एक वर्चुअल बैठक के दौरान शीर्ष अधिकारियों को अगले 24 घंटे तक सतर्क रहने को कहा है। रेड्डी ने जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों, राजस्व, सिंचाई और नगर निगम के अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित बस्तियों का दौरा करने का आदेश दिया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि महत्वपूर्ण विभागों के सभी अधिकारियों को अपनी छुट्टियां रद्द करने और वर्षा प्रभावित जिलों के राहत एवं बचाव कार्यों में तत्काल शामिल होने के विशेष निर्देश दिए गए हैं।

उ.प्र. के जिला इटावा का प्रसिद्ध पिलुआ हनुमान मंदिर,यहां पर हनुमान जी की मूर्ति खाती है लड्डू और जपती है राम नाम

पंकज त्रिपाठी वरिष्ठ पत्रकार
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भोग ग्रहण करने वाली विश्व में यही है एकमात्र मूर्ति

श्रद्धा भाव से दूध पिलाने पर श्री हनुमान जी को आई थी डकार

पिलुआ वाले हनुमान जी की मूर्ति के रहस्यों का वैज्ञानिक भी नहीं लगा सके पता

इटावा । भारत देश में उत्तर प्रदेश के जिला इटावा मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर बीहड़ में यमुना नदी के किनारे प्रतापनेर ग्राम रूरा में पिलुआ हनुमानजी का भव्य मंदिर स्थापित है,यहां भगवान श्री हनुमान जी की प्रतिमा के दर्शन करने के लिए प्रतिदिन भक्तगण आते रहते हैं,मंगलवार और शनिवार को बड़ी संख्या में भक्तगण दर्शन करने आते हैं,और बुढ़वा मंगल के दिन लाखों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं,और दर्शन कर श्री हनुमानजी का आर्शीवाद प्राप्त करते हैं ।
जिला इटावा मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर जंगलों में प्रतापनेर ग्राम रूरा में यमुना नदी के किनारे पिलुआ हनुमान जी का प्राचीन भव्य मंदिर स्थापित है,जिसकी भव्यता देखते ही बनती है,बताया जाता है,कि इस मंदिर के महाभारत काल से जुड़े होने की मान्यता है ।इटावा शहर से महज 10 किलोमीटर दूरी पर स्थापित पिलुआ हनुमान

जी की मूर्ति एक ऐसी मूर्ति है,जो पूरे विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगी यह मूर्ति दक्षिण मुखी लेटी हुई प्रतिमा है,और इनका मुंह खुला हुआ है । पिलुआ हनुमानजी को जो भी भक्तगण श्रद्धा और प्रेम से भोग लगाता है,तो एक ही लड्डू में ही भगवान प्रसन्न हो जाते हैं,वरना इस मंदिर में कई घमंडी महापुरुषों तक का घमंड टूटा है । अहंकार में डूबे राजा द्वारा पूरे राज्य का भोज्य सामग्री श्री हनुमान जी को चढ़ाने के बाद भी उनकी भूख नहीं मिटा सके थे । कहा जाता है,कि पूरे राज्य का दूध पीने के बाद भी हनुमान जी की भूख नहीं मिटी थी ।मंदिर के इतिहास को बताते हुए मंदिर के पीठाधीश्वर महंत श्री हरभजन दास जी महाराज ने बताया कि स्वामी तुलसीदास जी के द्वारा उस समय इस राज्य के प्रतापी राजा हुकुम चंद्र तेज प्रताप सिंह चौहान को बताया गया था । बताया जाता है,कि इसी स्थान पर श्री हनुमान जी की प्रतिमा नीचे दबी हुई थी,राजा को सपने में हनुमानजी के दर्शन हुए जिसमें उन्हें यही पर मंदिर का निर्माण कराये जाने की कहा,जिसके बाद राजा ने उस स्थान की खुदाई कराई तो पिलुआ के पेड़ की जड़ों के अंदर लेटी मुख खुली हुई हनुमानजी की प्रतिमा दिखी,जिसके बाद राजा ने उस समय मंदिर बनवाया और भगवान श्री हनुमानजी की प्रतिमा को उसी स्थान पर स्थापित कर दिया ।इसके बाद राजा को घमंड हो गया कि उन्होंने भगवान बजरंगबली का मंदिर बनवा दिया है,जिस पर बजरंगबली ने उनका घमंड तोड़ा । कथा कुछ इस प्रकार है,कि जब राजा उन्हें भोग लगाने पहुंचे तो उन्होंने धीरे - धीरे कर पूरे राज्य का अन्न - जल ग्रहण कर लिया,लेकिन फिर भी उनकी भूख नहीं मिटी,अहंकार में डूबे राजा ने पूरे राज्य से दूध इकट्ठा कर हनुमानजी की प्रतिमा को पिला दिया,जिसके बाद भी उनकी भूख नहीं मिटी,तब राजा ने पूरी तरह से हार मान ली,तब राजा की पत्नी ने प्रेम व श्रद्धा भाव

से श्री हनुमानजी की प्रतिमा को थोड़ा सा दूध पिलाया और लेटे हुए हनुमान जी को डकार आ गई ।मंदिर के पीठाधीश्वर महंत श्री हरभजन दास जी महाराज ने बताया कि श्री हनुमानजी ने यहीं भीम का भी घमंड चकनाचूर किया था । महंत जी ने बताया कि इस मंदिर की अहम भूमिका महाभारत काल में बताई गई है,इसी स्थान पर 10,000 (दस हजार) हाथियों का बल रखने वाले पांडवों में सबसे बलवान भीम का घमंड भी बजरंगबली ने तोड़ा था,पांडवों के अज्ञातवास के दौरान यहां पर हनुमानजी बैठे हुए थे,तभी भीम इसी रास्ते से गुजरे तो उन्होंने देखा एक बूढ़ा वानर बैठा हुआ है और उसकी पूंछ पूरे रास्ते को घेरे हुए है, जिसके बाद उन्होंने बूढ़े वानर को अपनी पूंछ हटाने को कहा,तो बूढ़े वानर के रूप में बैठे हनुमानजी ने कहा कि मैं तो बूढ़ा हूं उठ नहीं पाऊंगा,कृपया आप ही हमारी पूंछ हटा दीजिए,जिस पर भीम ने पूरे दस हजार हाथियों की ताकत लगा दी, लेकिन पूंछ को हिला तक ना सके। तब भीम ने उनके सामने हाथ जोड़े और कहा कि आप कौन है,तो श्री हनुमान जी अपने वास्तविक रूप में प्रकट हुए और उन्हें दर्शन दिए ।इस मंदिर की विशेष मान्यता है,कि दक्षिण मुखी लेटे हुए श्री हनुमानजी की ऐसी प्रतिमा जो कि भोग ग्रहण करती है,विश्व में ऐसी कोई दूसरी प्रतिमा नहीं है । यहां रुद्र अवतार श्री राम के परम् भक्त भगवान श्री हनुमानजी सभी भक्तों का प्रेमपूर्वक प्रसाद ग्रहण करते हैं,और सभी भक्तजन वहां पहुंचकर उन्हें लड्डू व अन्य भोग लगाकर उन्हें प्रसन्न करने का हर संभव प्रयास करते हैं । बताया जाता है,कि पिलुआ मंदिर में विराजमान हनुमानजी को जीवित हनुमान जी भी कहा जाता है,क्योंकि वह हर समय भगवान श्री राम का नाम जपते रहते हैं ।

मंदिर में रह रहे पुजारियों एवं साधु

- संतों व भक्तजनों का कहना है,कि हनुमानजी की प्रतिमा हर समय राम नाम का जाप करती रहती है,आप जब मंदिर में शांति पूर्वक बैठेंगे तो भगवान श्री हनुमानजी की प्रतिमा के श्री मुख से राम - राम नाम जप की ध्वनि निकलती रहती है,जिसे आप भक्तगण भी सुन सकते हैं ।मंदिर के महंत जी का कहना है,कि सम्पूर्ण भारत सहित विश्व भर से हनुमानजी के दर्शनों के लिए श्रद्धालु पहुंचते हैं और श्री बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।पिलुआ मंदिर की मूर्ति के मुख में जाने वाले भोग का आज तक कोई भी पता नहीं लगा सका । इस मंदिर के रहस्यों की खोज करने के लिए कई वैज्ञानिक भी आ चुके हैं,लेकिन आज तक रहस्यों का पता नहीं लगा सके,कि हनुमान जी की प्रतिमा में खिलाए जाने वाला लड्डू , दूध और अन्य भोग की वस्तुएं आखिर जाती कहां है,यह एक रहस्य है,जो आज तक उजागर नहीं हुआ है ।
मंदिर की मान्यता बताते हुए मंदिर के मुख्य महंत श्री हरभजन दास जी महाराज ने बताया कि जो भी भक्त सच्चे मन के साथ मंगलवार को यहां श्री हनुमानजी की पूजा अर्चना करता है और उनको चोला चढ़ाता है,तो उसकी हर मनोकामना रुद्र अवतार परम् रामभक्त महावीर श्री बजरंगबली जी पूर्ण करते हैं ।

अटेर क्षेत्र की जनता की समस्याओं के निदान के लिए गाँव गाँव जाकर लगाएंगे चौपाल

ग्रामीणों की समस्याओ का यही बैठकर करेंगे निराकरण - श्री कटारे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष एवं अटेर विधायक हेमन्त कटारे दो दिवसीय क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे । उन्होंने आज क्षेत्र के 10 गाँवो में जाकर ग्रमीणों के बीच चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना एवं उनके निराकरण के लिए तुरंत सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। श्री कटारे आज अपने विधानसभा क्षेत्र के केनरा,पचौरियन का पुरा,शुक्लपुरा,बड़पुरा,बड़पुरी, निवारी, सारूपुरा,विजयगड़, पिथनपुरा, ऐंतहार गाँवो में जाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनके निदान के लिए सम्बंधित अधिकारियों को तुरंत निर्देशित किया। श्री कटारे ने कहा कि अटेर क्षेत्र मेरा राजनीतिक

क्षेत्र नही है,अपितु मेरा परिवार है, अगर परिवार में किसी भी व्यक्ति पर कोई कष्ट आएगा तो हम एवं हमारा परिवार सदैव अटेर की जनता के बीच खड़ा मिलेगा। श्री कटारे ने ग्रामीणों की समस्याओं के लिए कई जगह विकास कार्य हेतु अपने विधायक निधि से काम कराने के लिए भी बोला उन्होंने कहा हम इसीलिए आपके बीच में आये है,कि आपकी सार्वजनिक समस्याओं को हम आप सबके बीच बैठकर निपटारा कर सकें विधायक निधि सिर्फ आपके लिए है,इस पर न तो हमारे यहाँ कोई टैक्स लगता है और न कोई कमीशन खोरी होती है,जो भी होगा आपके बीच आकर आप जैसे कहेगें वैसे खर्च ही खर्च किया जाएगा । उपनेता हेमंत कटारे आज 2 सितंबर को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 10 बजे शांकरी,10 - 30 बाहराय पुरा,11 बजे भदाकुर,12 -30 बजे दीनपुरा खोड़, 1 - 30 खुर्द, 2-30 महापुर,3-30 बरोही,05 बजे गडुपुरा चौपाल में जनसमस्याओं को सुनेंगे।

लहार में खंगार क्षत्रिय समाज की मीटिंग सम्पन्न

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

लहार- शनिवार को लहार नगर के वार्ड नंबर 10 में खंगार क्षत्रिय समाज की कुल देवी मां गजानन माई के मंदिर पर समाज की मीटिंग का आयोजन किया गया।जिसमें लहार विधायक अम्बरीश शर्मा जी द्वारा विगत वर्ष गढकुंडार महोत्सव में समाज को आश्वासन दिया गया था कि लहार नगर में खंगार क्षत्रिय समाज के गौरव महाराजा खेत सिंह जी मूर्ति लगवाने के साथ समाज के लिए धर्मशाला का निर्माण कराया जाएगा।इसी विषय पर मीटिंग में उपस्थित समाज बंधुओं द्वारा संगठित होकर सामूहिक रूप से माननीय विधायक जी का आभार व्यक्त करते हुए ध्यान आकर्षित करवाने पर जोर दिया गया एवं विश्वनाथ परिहार को सर्व सहमति से मां गजानन माई की पूजा अर्चना हेतु सर्व सहमति से मंदिर का पुजारी नियुक्त किया गया।जिस पर सभी समाज बंधुओं ने उत्साह पूर्वक बड़े हर्ष के साथ सहमति जताई।मीटिंग का आयोजन पूर्व सीएमओ श्री एन आर खेंगर द्वारा किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व सीएमओ सी एल वर्मा,विश्वनाथ सिंह,किशनसिंह,गिरिजा शंकर,मंगलसिंह,निर्पेंद्रसिंह शिक्षक, कैलाश पुजारी,कमलेश सिंह, महेश सिंह,प्रतापसिंह बिंडवा,मलखान सिंह शिक्षक खैरोंना,प्रताप सिंह जलालपुरा,रामकुमार,हाकिम सिंह,बाबूसिंहह,अर्जुनसिंह, मेहरबान सिंह,अतरसिंह,राजकुमार एवं राजेन्द्र सिंह शिक्षक सरनाम सिंह,लल्लूराम,साहबसिंह,विनोद परिहार,सुंदरसिंह भकोटी,अनूप सिंह सरपंच,वीरेंद्रसिंह,साहब सिंह अरविन्द सिंह के साथ अधिक संख्या में सामाजिक बंधु सम्मिलित हुए।सामाज को गौरवान्वित करने वाले कार्यों में संगठित होकर सहभागिता निभाने पर जोर देते हुए मीटिंग का सफल संचालन विक्रम सिंह परिहार रावतपुरा सरकार ने किया।

आनंद संस्थान,आनंद विभाग एवं वन विभाग ने चलाया संयुक्त अभियान

एक पेड़ माँ के नाम अभियान

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत सोई में विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण एवं पौधे वितरण का कार्यक्रम आनंद विभाग के जिला समन्वयक संजय सिंह साथ ही जिला समन्वयक आनंद विभाग के माध्यम से वृक्षारोपण को बढ़ावा देते हुए ग्रामीणों को अपने अपने घर के द्वार पर लगाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा भेंट किया।पूर्व सरपंच जितेंद्र बौहरे आनंदम सहयोगी एड.चंद्रकांत बौहरे,राहुल राजपूत, अंकित,सोई सरपंच विश्राम सिंह जाटव,पूर्व जनपद सदस्य प्रतिनिधि नरसिंह सिंह राजावत,गजेंद्र बोहरे, बृजलाल पांडे,दिलीप शर्मा ,युट्यूबर अभिलाष कुशवाह,अंकित वर्मा दिलीप शर्मा,ब्रजलाल पांडेय,गजेंद्र बौहरे सहित ग्रामीण जन समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की ।

ईमानदारी की मिसाल बने युवा, खोया हुआ सामान लौटाने का कर रहे प्रयास

अंबाह।आज के समय में जहां लोग अक्सर स्वार्थ और लालच में फंस जाते हैं, वहीं अंबाह के समीपवर्ती ग्राम पंचायत थरा में कुछ युवाओं ने ईमानदारी की मिसाल पेश की है। बीते दिन, अंबाह से पोरसा की ओर जा रहे एक ट्रांसपोर्ट वाहन से दोनों पत्तल बनाने वाले कागज के बंडल गिर गए। यह घटना शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय थरा के पास हुई। जब वाहन चालक को इस घटना की जानकारी देने का प्रयास किया गया, तब तक वह वहां से निकल चुका था। ऐसे में, वहां मौजूद गणेश सिंह, नीरज सिंह और सोनू सिंह तोमर ने बंडल को उठाकर सुरक्षित स्थान पर रख लिया और इसकी सूचना तुरंत अपने स्थानीय ग्रुप में साझा की, ताकि जिसका यह बंडल है, उसे सही समय पर वापस मिल सके।इन युवाओं ने ईमानदारी का परिचय देते हुए बंडल को सुरक्षित रखा और अब जिस किसी का भी यह बंडल खो गया है, वह शासकीय हाई स्कूल थरा के पास सोनू सिंह तोमर, गणेश सिंह तोमर या नीरज सिंह तोमर से संपर्क कर अपना बंडल वापस ले सकता है। - सोनू सिंह तोमर - गणेश सिंह तोमर - नीरज सिंह तोमर, इस तरह की ईमानदारी की मिसाल देखना समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो यह दिखाता है कि सच्चाई और ईमानदारी अभी भी हमारे समाज में जिंदा हैं।

बीजेपी की सदस्यता अभियान के लिए बैठक संपन्न हुई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय प्रदेश नेतृत्व के संयुक्त रूप से 02 सितंबर से प्रारंभ हो रहे संगठन पर्व सदस्यता अभियान को सर्वव्यापी और सर्व स्पर्शी बनाने के लिए पार्टी नेतृत्व ने पांच विधानसभा में सदस्यता अभियान को लेकर एक प्रभारी नियुक्त किए हैं। भाजपा मीडिया प्रभारी अजय शर्मा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया,कि विधानसभा भिण्ड जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया,गोहद विधानसभा सदस्यता अभियान के जिला संयोजक डॉ रमेश दुबे, मेहगांव विधानसभा में जिला महामंत्री टोली के सदस्य मनोज अनंत,लहार विधानसभा में जिला उपाध्यक्ष टोली के सदस्य सज्जन सिंह यादव, अटेर विधानसभा जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह भदौरिया को नियुक्त किया गया है जो कि अपने-अपने प्रभार विधानसभा में पहुंचकर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सदस्यता अभियान को प्रारंभ करेंगे वीरांगना अवंती बाई छात्रावास परिषद में सदस्यता अभियान को प्रत्येक बूथ पर प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए समस्त मोर्चा की कार्यशाला संयुक्त रूप से आयोजित की गई । समस्त मोर्चाओं की बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने कहा भाजपा का सदस्य अभियान संगठनत्मक सदस्यता अभियान मैं नए साथियों को जोड़ने का महापर्व है। सामाजिक समरसता, देश को समृद्ध तथा परम वैभव पर ले जाने के हमारे लक्ष्य और संकल्प के साथ कार्यकर्ता हर समाज में घर-घर जाकर नए साथी जोड़ेंगे तो संगठन और अधिक सशक्त होगा। इसी उद्देश्य से प्रत्येक मोर्चा के कार्यकर्ताओं को अपने-अपने लक्ष्य के 26 मंडलों के प्रत्येक बूथ केंद्रों पर सर्वाधिक है सदस्य बनाकर जिले के ढाई लाख के लक्ष्य को प्राप्त करना है यह हम सब कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। पार्टी जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने कहा कि सदस्यता अभियान के लिए 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर निजी स्कूलों के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को पार्टी का सदस्य बनना है। 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा जयंती साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जयंती पर निर्माण के क्षेत्र में काम करने वाले कारीगर, मजदूर या उन एसी श्रेणी के सभी बंधु बहनों को पार्टी के साथ जोड़ना और उनकी सदस्यता करना। 11 सितंबर को विश्व विजय दिवस इस दिन 1989 में स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में अपना ऐतिहासिक संबोधन किया था इस दिन बड़ी संख्या में युवाओं को भाजपा से जोड़ना यह हम सब का लक्ष्य होना चाहिए। 25 सितंबर को भारतीय जनसंघ के संस्थापक पं दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर प्रत्येक तवके में जाकर सदस्यता अभियान को करना विशेष कर गरीब बस्तियों में पंडित जी के अंत्योदय के उसे सूत्र को पूरा करना पृथक पृथक तोलिया बनवाना। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में विशेष योजना बनाकर सदस्यता करना महिलाओं के लिए विशेष योजना बनाकर सदस्यता करना है सभी मोर्चा अपने-अपने निर्धारित लक्ष्य 20000 के तहत हमें जिले के लक्ष्य ढाई लाख को पूरा करना है यह हम सब मोर्चा प्रकोष्ठों के कार्यकर्ताओं की अहिम जिम्मेदारी है।
सदस्यता अभियान के जिला संयोजक डॉ. रमेश दुबे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता 02 सितंबर 24 को प्रधानमंत्री श्री मोदी की सदस्यता लेने के पश्चात प्रारंभ होगी इसी दिन मोबाइल नंबर 88000202024 नंबर पर मिस्ड कर प्रत्येक कार्यकर्ता को सदस्य बनना है और अपने साथ अन्य लोगों को भी सदस्यता बनाना है। उन्होंने कहा की सदस्यता अभियान ही हमारा मुख्य आधार और पूंजी है कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी का पूर्ण रूप से निर्भय करते हुए इस अभियान में जुट जाए और सदस्यता अभियान को पूर्ण करें।भाजपा का सदस्य बनकर राष्ट्र निर्माण में बनें भागीदार.2 सितंबर से शुरू हो रहा भाजपा का नया सदस्यता अभियान। 8800002024 पर मिस्ड कॉल कर भाजपा का सदस्य बनें। बैठक का शुभारंभ भारत माता पंडित दीनदयाल उपाध्याय, एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के छाया चित्रों पर मंच पर उपस्थित अतिथि गणों ने दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। संचालन जिला महामंत्री सदस्यता अभियान टोली के सदस्य मनोज अनंत, एवं आभार व्यक्त जिला उपाध्यक्ष सदस्यता अभियान टोली के सदस्य सज्जन सिंह यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक आनंद बरुआ एडवोकेट मोर्चा जिला अध्यक्षों में श्रीमती आभा जैन महिला मोर्चा, भारतीय जनता युवा मोर्चा विक्रांत सिंह कुशवाह एडवोकेट, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह गुर्जर अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष पिंकी सागर मंच पर उपस्थित थे।

संपादकीय

अब शिवाजी महाराज बनाम सावरकर

देश और दुनिया में प्रतिमाएं तेजी से टूट रहीं हैं। कुछ को जनता ने तोड़ा है, तो कुछ को भ्रष्टाचार ने। हमने इसी युग में बामियान में बुद्ध की प्रतिमाओं को टूटते देखा है। लेनिन की प्रतिमाएं तोड़ी गयी। महात्मा गाँधी और डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमाएं तो बनी ही टूटने के लिए है। सद्दाम की प्रतिमाएं तोड़ी गयी। हाल ही में बांग्लादेश में बंग बंधू शेख मुजीबर्रहमान की प्रतिमाओं को तोड़ा गया, लेकिन महाराष्ट्र में छत्रपति शिवजी महाराज की प्रतिमा को भ्रष्टाचार ने तोड़ दिया। उज्जैन के महाकाल लोक में शिव की प्रतिमाएं इसी भ्ष्टार्चार की वजह से टूट चुकी हैं, लेकिन प्रतिमा टूटने पर देश के लाडले प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी ने माफी पहली बार मांगी है।

प्रधानमंत्री जी दरियादिल हैं। संकीर्णता उन्हें छूकर भी नहीं निकली। इसीलिए उनका माफी मांगना किसी को चौंकाता नहीं है। माफी मांगना अच्छी बात है। हम अच्छी बात हो या अच्छे दिन उनके फेर में जल्दी आ जाते हैं। लेकिन मेरा तजुर्बा कहता है कि यदि महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव सिर पर न होते तो माननीय प्रधानमंत्री भूलकर भी माफी नहीं मांगते। माफी मांगना और माफी देना उनकी फितरत का अंग है ही नहीं। माफी मांगना उनके लिए अकल्पनीय है। आप हिसाब लगाइये कि पिछले दस साल में ही नहीं बल्कि वे जब से राजनीति में है तब से उन्होंने कितनी बार माफी मांगी ? वे जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उनके ऊपर उनके ही नेताओं ने राजधर्म न निभाने का आरोप लगाया था, तब भी उन्होंने माफी नहीं मांगी। दूर मत जाइये उन्होंने हाल ही में मणिपुर के जलने पर माफी नहीं मांगी। उन्होंने दिल्ली की सड़कों पर बेईज्जत कोई गयी महिला खिलाड़ियों के अपमान के लिए माफी नहीं मांगी। किसान आंदोलन में 700 निरीह किसानों की मौत के लिए माफी मांगी नहीं मांगी।

जैसा कि मैंने पहले ही कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा छत्रपति शिवजी महाराज की प्रतिमा के खंडन के लिए माफी मांगना प्रधामंत्री जी की एक राजनीतिक विवशता थी, अन्यथा वे कभी माफी नहीं मांगते। प्रधानमंत्री जी ने एक तरफ प्रतिमा निर्माण में हुए भ्ष्टार्चार के लिए माफी मांगी वहीं दूसरी तरफ वीर सावरकर का नाम लेकर अपने सनातन सियासी बैरियों पर भी निशाना साध लिया। अरे भाई ! अभी सावरकर साहब पिक्चर में कहाँ से आ गए ? उनकी प्रतिमा तो कहीं टूटी नहीं है। लेकिन आप समझ सकते हैं कि प्रधानमंत्री ने कितने भारी मन से महाराष्ट्र की जनता से माफी मांगी है। उनके मन में शिवाजी से ज्यादा सावरकर की उपेक्षा का दर्द है। महाराष्ट्र की राजनीति में शिवाजी और सावरकर की अपनी अहमियत है, लेकिन भाजपा के लिए इस समय शिवाजी महाराज गले की हड्डी बने हुए है।

जानकार जानते और मानते हैं कि यदि माननीय मोदी जी प्रतिमा खंडन के मामले में महाराष्ट्र से माफी न मांगते तो आने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी का फट्टा साफ होने वाला था। महाराष्ट्र में भाजपा उसी तरह सत्ता में है जिस तरह दिल्ली में है। यानि महाराष्ट्र में भाजपा की सरकार है, किन्तु यहां उसे शिवसेना के एक गुट और एनसीपी के एक गुट की बैशाखी लगाना पड़ी है, अन्यथा महाराष्ट्र की जनता तो कब की भाजपा से किनारा कर चुकी है, जबकि महाराष्ट्र में ही भाजपा के मात्र संगठन आरएसएस का मुख्यालय है। भाजपा महाराष्ट्र में कांग्रेस,एनसीपी और शिवसेना के ठाकरे गुट के सामने टिक नहीं पा रही है। महाराज शिवाजी की प्रतिमा के खंडित होने के विवाद ने भाजपा की जड़ें और हिला दीं हैं। शिवाजी के बहाने सावरकर की याद कर माननीय मोदी जी महाराष्ट्र के चित पावन ब्राम्हणों को खुश करना चाहते हैं, लेकिन ये काम इतना आसान नहीं है। महाराष्ट्र में भाजपा के चित पावन ब्राम्हण नेता देवेंद्र फडणवीस की फड़ उखड़ चुकी है। वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहने के बाद झक मरकर उप मुख्यमंत्री बने बैठे हैं। भाजपा में चूहे को शेर और शेर को चूहा बनाने की आदि परम्परा है। आपको याद होगा कि इससे पहले मध्यप्रदेश में भाजपा ने अपनी ही सरकार में मुख्यमंत्री रह चुके बाबूलाल गौर को शिवराज सिंह चौहान की सरकार में केबिनेट मंत्री बना दिया था और वे खुशी-खुशी मंत्री बन भी गए थे। भाजपा को उम्मीद है कि महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज की प्रतिमा के प्रकरण में प्रधानमंत्री जी द्वारा माफी मांग लेने से फडणवीस जी की फड़ एक बार फिर से जम जाएगी।

आप लिखकर रख लीजिये कि देश में आने वाले दिनों में माफियां मांगने और गालियां देने का एक और दौर शुरू होने वाला है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनावों में ये प्रतिस्पर्द्धा चरम पर होगी ,क्योंकि इन दोनों ही राज्यों में [हालाँकि जम्मू-कश्मीर राज्य नहीं है] भाजपा की साँसे उखड़ रहीं हैं।

ये दोनों राज्य भाजपा की भावी राजनीती का ही नहीं बल्कि भाजपा की बैशाखी सरकार का भविष्य भी तय करेंगे। मुमकिन है कि प्रधानमंत्री जी जम्मू-कश्मीर में जाकर सेना के जवानों की तमाम गैर-जरूरी शहादतों के लिए वहां की जनता से माफी मांग लें। धारा ३७० हटाने कि लिए माफी मांग ले। उसे बहाल करने का वादा भी कर दें। मुमकिन है कि वे हरियाणा में महिला पहलवानों के साथ दिल्ली में हुई ज्यादतियों के लिए भी माफी मांग लें। क्योंकि अब उनका और भाजपा का बेड़ा पार तभी होगा जब वे लगातार माफियां मांगते रहें।

भादो के महीने में क्यों नहीं खाना चाहिए दही ? यहां जानिए बड़ी वजह

भादो का महीना चल रहा है। ऐसे में अगर इस महीने आपने कभी-भी दही या उससे बने पदार्थों का सेवन करने की कोशिश की होगी, तो जरूर आपके घर में आपको किसी बड़े-बुजुर्ग ने रोका होगा, लेकिन क्या आपके जेहन में कभी यह सवाल आया है कि आखिर भादो के महीने में ही क्यों दही या उससे बने पदार्थों के सेवन से रोका जाता है? इसके पीछे की वजह क्या है? अगर नहीं, तो इस रिपोर्ट में हम आपको विस्तार से बताने जा रहे हैं कि आखिर क्यों भादो के महीने में ही दही या उससे बने पदार्थों का सेवन करने से हमें बचना चाहिए। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन के बाद भादो का महीना शुरू होता है। यह इस बार 23 अगस्त से लेकर 22 सितंबर तक रहने वाला है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार यह साल का छठा महीना होता है। इस महीने में दही सहित कई चीजों का खाना वर्जित बताया गया है। वैसे तो दही में कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं, लेकिन भादो के महीने में इसे विशेष रूप से खाने से मना किया जाता है। इस महीने अगर आप दही खाते हैं, तो इससे आपके स्वास्थ्य को फायदे की जगह नुकसान हो जाएगा। आयुर्वेद भी स्पष्ट कहता है कि भादो के महीने में दही या उससे बने पदार्थों का सेवन करने से बचना चाहिए। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अगर आप बारिश के मौसम में दही खाते हैं, तो इससे आपके गले में कफ जम जाएगा। आयुर्वेद के अनुसार शरीर में त्रिदोष की वजह से बीमारियां होती हैं जिसे वात, पित्त और कफ कहा गया है। इसमें से दही का इस महीने में सेवन कफ दोष को बढ़ाने वाला होता है। इस महीने में दही का सेवन करने से गले में खराश, सर्दी और जुकाम की समस्या हो सकती है। इसके अलावा, कई और बीमारियां भी हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भादो के महीने में दही में ज्यादा मात्रा में बेक्टरिया पाए जाते हैं, जो आपकी आंतों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा, यह आपके जोड़ों के दर्द की वजह भी बन सकता है, जिसे ध्यान में रखते हुए इसका सेवन करने से हमें बचना चाहिए। वहीं, इस माह में दही का सेवन करने से श्वास रोग की समस्या भी बढ़ सकती है। अगर आपको सांस लेने की दिक्कत है, तो इस मौसम में दही का सेवन करने से परहेज करें। इस महीने में दही का सेवन करने से आपके पाचन तंत्र भी प्रभावित हो सकते हैं।

अगर आपका पाचन तंत्र कमजोर है, तो इस महीने दही का सेवन तो भूलकर भी ना करें। इसके अलावा, दही के अलावा कुछ भी खाएं, तो उसकी साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

नशे के खिलाफ जंग, सरकार की अच्छी पहल

योगेश कुमार सोनी

पहली बार केन्द्र सरकार ने नशे के खिलाफ बड़ा बयान देते हुए व्यापक रूप से फैले इसके नेटवर्क के खिलाफ कारगर मुहिम चलाने की बात कही है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से मादक पदार्थ के अवैध कारोबारियों के खिलाफ अभियान का आह्वान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इससे निपटने के लिए नेटवर्क पर प्रहार करना होगा। शाह ने कहा कि इससे उत्पन्न होने वाला धन, आतंकवाद व नक्सलवाद को बढ़ावा देता है और अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है। यदि दृढ़ निश्चय और रणनीति के साथ बढ़ा जाए तो इस खतरे के खिलाफ लड़ाई जीत सकते हैं। गृह मंत्री ने मादक पदार्थों से होने वाले नुकसान व अवैध कारोबार को खत्म करने के लिए चार सूत्र दिए और कहा कि हमें मादक पदार्थों की पहचान करने, नशे के सौदागरों का नेटवर्क नष्ट करने, अपराधियों को हिरासत में लेने और नशे के आदी लोगों के पुनर्वास पर जोर देना होगा।

जितनी सरलता से यह बात कही गई, यह उतनी ही मुश्किल है। चूंकि नशे के कारोबारियों ने बहुत बड़े स्तर पर अपना जाल बिछा दिया। आज मादक पदार्थ गली-गली में इतनी आसानी से मिल रहे हैं जैसे परचून की दुकान पर टॉफी-बिस्कुट। मादक पदार्थ बहुत तेजी से युवाओं को निगल रहा है। आज युवाओं की पार्टी में चरस, गांजा, अफीम, हेरोइन व ब्राउन शुगर के अलावा कई प्रकार के नशे की सामग्री का होना आम बात हो गई। यह सभी मादक पदार्थ पार्टी के पर्यायवाची बन चुके हैं। स्कूल-कॉलेज के बच्चों में इस नशे का क्रेज लगातार पढ़ रहा है। कॉलेज में लड़के-लड़कियां जमकर इस तरह का नशा कर रही हैं। हम देखते रहे हैं कि नशे की वजह से हर रोज हजारों घर बर्बाद हो रहे हैं। यदि इस पटकथा के निमार्ता की बात करें तो वह है पुलिस-प्रशासन। चूंकि इस तरह के मादक पदार्थ बिना प्रशासन की मिलीभगत के नहीं बिक सकता। कहा जाता है कि मादक पदार्थ बिकवाने की अनुमति के पुलिस लाखों रुपये लेती है। यह मादक पदार्थ बेचने वाले एक कॉल पर डिलीवरी देने आ जाते हैं और प्रशासन की नाक के नीचे खुला खेल चलता है।

विशेषज्ञों के अनुसार नशा मनुष्य के सोचने-समझने की शक्ति के साथ पूरे शरीर पर प्रहार करता है। इसका प्रहार ऐसा होता है कि धीरे-धीरे शरीर नष्ट हो जाता है। यह एक ऐसा धीमा जहर है कि लोग जब तक इसके दुष्परिणामों को समझ पाते हैं तब तक उनका अंत हो जाता है। नशा कई रूपों में किया जाता है- शराब, तंबाकू, पाउच व आर्टिफिशल मादक पदार्थ आदि सभी नशे की श्रेणी में आते हैं। आज नशे का सेवन भारत में सबसे अधिक होता है। लाखों संस्थाए भले नशे पर प्रतिबंध को लेकर जागरुकता कार्यक्रम करती हों लेकिन वास्तव में यह दुनिया भर में एक वर्ष में 54 लाख जानें ले रहा है। दुनिया में एक अरब लोग तंबाकू का सेवन करते हैं। भारत की बात करें तो सालाना 9 लाख मौतें तंबाकू व लगभग चार लाख मौतें चरस, गांजा, अफीम व हेरोइन से होती हैं। दस में से एक मौत में तंबाकू वजह बनती है। वहीं, विश्व में सभी तरह के नशे को लेकर सेवन में भारत का दूसरा स्थान है। यह बेहद पीड़ा देने वाला आंकड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार 2030 तक 80 लाख लोगों की नशे की वजह से मौतें होंगी।

डब्लूएचओ द्वारा वर्ष 1988 से दुनिया को नशे के दुष्परिणामों से सचेत करने के लिए 31 मई को विश्व तंबाकू दिवस मनाया जाता है। बावजूद इसके लोग जागरूक होने की बजाय नशे के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इसके अलावा कॉरपोरेट जगत में सिगरेट के अलावा बड़े स्तर के नशे करना स्टेटस सिंबल बन गया। अब चिंता का विषय यह बनता जा रहा है कि स्कूल व कॉलेज की बच्चे नशा करने लगे। नशे के क्षेत्र में हर रोज परिस्थितियां विपरीत होती जा रही हैं। बीते दिनों भारत में एक पाकिस्तानी नौका से छह सौ करोड़ मूल्य की हेरोइन पकड़ी गई थी, जिससे पाकिस्तान के नशा माफियाओं को करोड़ों रुपयों का फायदा होता और वह पैसा आतंकवाद में प्रयोग होता। जैसा कि भारत में कुछ मादक पदार्थ गैर-कानूनी तरीके से बाहरी देशों से आते हैं। दरअसल, कई देशों के सत्ता प्रतिष्ठानों की मिलीभगत से नार्को-आतंकवाद के एक बड़े पैटर्न को अंजाम दिया जा रहा है। निश्चित तौर पर यह साजिश हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये एक गंभीर चुनौती है।

पुरानी घटनाओं के अनुसार जम्मू-कश्मीर व पंजाब में नशे के कारोबार से कमाया हुआ पैसा आतंकवाद में लगता आया है। इस तरह का पैसा आतंकवादियों को हथियार व पैसा उपलब्ध कराता है। इसी साल मई में भी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और नौसेना के साझे मिशन के जरिये केरल तट पर ढाई हजार किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया गया था। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत पंद्रह हजार करोड़ रुपये बतायी गई थी। यह हमारे देश में बरामद अब तक की सबसे बड़ी नशे की खेप थी। इसके अलावा गुजरात के तट पर 150 किलो ड्रग्स ले जा रही नौका को जब जब्त किया गया और छह पाकिस्तानी चालक दल के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह फरवरी में पोरबंदर तट पर पांच विदेशी नागरिकों को चरस व 3300 किलोग्राम नशीले पदार्थों के साथ पकड़ा गया था।

दरअसल, इस नशे के कारोबार की शुरूआत अक्सर अफगानिस्तान से होती है, जहां अफीम व हेरोइन का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। बहरहाल, केन्द्र सरकार की ओर नशे के माफिया पर नकेल कसना बेहतर कदम है लेकिन इसमें धरातल पर काम करने की जरूरत है। विभाग चाहेगा तो यह बेहद सरल है अन्यथा यह प्रक्रिया बहुत जटिल है। जटिल इसलिए कहा जा रहा है कि नशे के सौदागर सिस्टम को इतना ज्यादा पैसा ऑफर करते हैं कि वह मना नहीं कर पाता। इस खेल में पैसा बहुत है जिसमें शासन-प्रशासन के बड़े-बड़े लोग शामिल हैं। यदि सही से जांच की जाए तो न जाने कितने बड़े नामों का खुलासा हो सकता है। इसलिए इस तंत्र को भेदना आसान नहीं होगा।

प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान की ग्राह्यता में भारत का भविष्य उज्ज्वल

अंधविश्वास बढ़ रहा है। अंधविश्वास राष्ट्र जीवन के लिए घातक है। परीक्षा में सफलता के लिए लोग ठगने वाले बाबाओं की शरण में जा रहे हैं। देश को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। आखिरकार वैज्ञानिक दृष्टिकोण का मतलब क्या है? संसार प्रत्यक्ष है। विज्ञान कार्य कारण की व्याख्या है। भारतीय दर्शन में तर्क और प्रति तर्क का विशेष महत्व है। आधुनिक विज्ञान सब कुछ जानने की जिज्ञासा है। प्राचीन काल में ऋषि सृष्टि रहस्यों पर विचार करते थे। सृष्टि रहस्यपूर्ण है भी। ऋग्वेद में जिज्ञासा है कि मरुत (वायु) किस शक्ति से वर्षा करते हैं? और किस देश से आते हैं? सूर्य प्रत्यक्ष हैं। संपूर्ण जगत के लिए उपास्य हैं। भौतिक सत्य हैं। ऋषि की जिज्ञासा है कि, ह्ववह रात्रि में किस क्षेत्र को प्रकाशित करते हैं ह्व

वैदिक समाज को सूर्य के दर्शन में आनंद मिलता था। सूर्य पर अनेक सूक्त हैं। आधुनिक विज्ञान ने अनेक सौरमण्डल जान लिए हैं। ऋग्वेद में इसी से मिलती-जुलती जिज्ञासा है कि सूर्य हैं कितने? यहां सूर्य पर एक मजेदार प्रश्न है कि सूर्य आकाश से क्यों नहीं गिरता? उसका आधार क्या है? ऋग्वेद में ऐसे सैकड़ों प्रश्न हैं। क्या इन प्रश्नों को वैज्ञानिक नहीं माना जा सकता? विज्ञान का जन्म और विकास ऐसी ही प्रश्न, बेचैन जिज्ञासा से हुआ है। संसार के सर्जक एक देवता का नाम विश्वकर्मा था। ऋषि का प्रश्न है कि जब संसार नहीं था तब विश्वकर्मा ने कहां बैठ कर संसार बनाया। वे सृष्टि निर्माण की सामग्री कहां से लाए?

विज्ञान भौतिक जगत के अणु-परमाणुओं व गोचर प्रपंचों का अध्ययन है। चरक संहिता प्राचीन ज्ञान का महान ग्रंथ है। चरक संहिता में आत्मा को द्रव्य बताया गया है। यही बात इसके पहले वैशेषिक दर्शन में है। वैशेषिक दर्शन में आत्मा को द्रव्य बताने की घोषणा क्रांतिकारी है। प्राचीन विज्ञान की जड़ें प्राचीन संस्कृति में हैं। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने बड़ी उन्नति की है। परम्परा की जड़ों को देखना-जांचना अवैज्ञानिक नहीं हो सकता। अथर्ववेद के एक ऋषि ने सफेद बालों को काला करने की दवा खोजी थी। इसे विज्ञान कहेंगे या अध्यात्म। कभी-कभी प्राचीनता के समर्थक भी अतिउत्साह में आधुनिक काल में हुई खोजों को प्राचीन बताते हैं। यह विषय विशेष शोध के लायक है।

भारतीय काव्य परंपरा में आकाश मार्ग और विमान के उल्लेख हैं। विमान की बात कल्पना हो सकती है। विमान की कल्पना के लिए भी वैज्ञानिक चित्त चाहिए। प्राचीन काल में विमान थे या नहीं, यह शोध का विषय है। इतिहास और पुरातत्व का है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिए साक्ष्य चाहिए। प्राचीन आख्यान के एक मजेदार पात्र हैं नारद। वह बिना किसी वाहन के दुनिया के किसी भी कोने की यात्रा कर लेते हैं। धरती और आकाश की भी। उनके हाथ में सुंदर वाद्य यंत्र है। नारद का उल्लेख ऋग्वेद में है। महाभारत में है। रामायण में है। नारद यत्र-तत्र-सर्वत्र भ्रमण करते हैं। वे इतिहास के पात्र हो सकते हैं और नहीं भी। दुनिया के किसी भी ग्रंथ में नारद जैसा पात्र नहीं है। वैदिक भारत में तर्कशास्त्र और दर्शन का विकास हो रहा था। आधुनिक काल में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने का काम यहां के विद्वानों ने किया।

प्राचीन भारत अंधविश्वासी नहीं था। ऋग्वेद में प्रकृति के भीतर एक सारभूत नियम व्यवस्था का उल्लेख है। डॉ. राधाकृष्णन के अनुसार ह्यईश्वर भी प्राकृतिक संविधान में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। प्राचीन विज्ञान में सृष्टि के गोचर प्रपंचों की गहन जिज्ञासा थी। तैत्तिरीय उपनिषद् (उत्तर वैदिक काल) में भृगु को पिता ने बताया ह्यअन्न ही संपूर्णता है। अन्न से प्राण हैं। यहां प्रत्यक्ष वैज्ञानिक भौतिकवाद है। फिर कहा ह्यप्राण ही सर्वस्व हैं। प्राण के कारण प्राणी हैं। यहां भी कोई अंधविश्वास नहीं। आगे बताया कि ह्यमन ही सब कुछ है और फिर बताया कि विज्ञान ही सब कुछ है। विज्ञान से ही प्राणी जन्म लेते हैं। जीवित रहते हैं और विज्ञान में ही समा जाते हैं। यहां विज्ञान शिखर है। विज्ञान अर्थात प्रकृति के अकाट्य नियम। अंत में कहा कि लेकिन ह्यआनंद ही सर्वस्व है। अन्न, मन, प्राण या विज्ञान सबका उद्देश्य आनंद ही है।

प्रयोगसिद्धि विज्ञान की प्रमुख कसौटी है। व्यक्तिगत अनुभूति वैज्ञानिक नहीं होती। सार्वजनिक सिद्धि जरूरी है। भारी-भरकम उपकरण या प्रयोगशालाएं ही किसी ज्ञान को विज्ञान नहीं बनाते हैं। आईंस्टीन ने लिखा है ह्यजिसने भी उन औजारों और विधियों का व्यवहार सीख लिया, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में वैज्ञानिक प्रतीत होते हैं, मैं उसे वैज्ञानिक नहीं मानूंगा। मैं उन व्यक्तियों की बात कर रहा हूं जिनमें वैज्ञानिक मानसिकता-साइंटिफिक मेन्टालिटी जीवंत है। यहां वैज्ञानिक मानसिकता पर ही जोर है। वैज्ञानिक मानसिकता क्या है? भारत अंधविश्वास मुक्त और जिज्ञासु था। धरती, आकाश और सौरमण्डल को जानने-जांचने को बेचैन था। इसलिए प्राचीन ज्ञान-विज्ञान को कोरा मिथक कहना राष्ट्रजीवन का सीधा अपमान है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण में ज्ञान की कोई अवस्था अंतिम नहीं होती। ज्ञान निरंतर विकासमान प्रक्रिया है। न प्राचीन विज्ञान पूर्ण था और न ही आधुनिक विज्ञान पूर्ण है।

गणित विज्ञान की आत्मा है। एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार ह्यशून्य का आविष्कार संभवतः हिन्दुओं ने किया। लिखा है कि 1 से 10 अंकों के प्रतीक अधिकतर भारत में उत्पन्न हुए। अरबों ने उनका प्रयोग किया। उन्हें हिन्दू अरेबिक अंक कहा जाता है।

वक्फ, विवादों का बोर्ड! संशोधन हो गया जरूरी

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वक्फ बोर्ड बार-बार बेनकाब हो रहा है और इसकी असली मंशा खुलकर सामने आ रही है। फिर भी बेशर्मी इतनी अधिक है कि केंद्र की सरकार इसमें कुछ आमूलचूल परिवर्तन करना चाहती है तो इसका कांग्रेस-इंडी गंठबंधन समेत कई विपक्षी दल तुष्टिकरण के लिए सकारात्मक सुधारों का विरोध कर रहे हैं। क्या किसी भी संपत्ति को बिना जांच के वक्फ की घोषित कर देनी चाहिए? कम से कम संविधान तो यह अनुमति नहीं देता, किंतु वक्फ के अपने नियम हैं जो संविधान से भी ऊपर दिखाई देते हैं! तभी तो वह अनेक संपत्तियों को हड़पता जा रहा है और अनेकों पर दावा ठोक रहा है। हालांकि कई बार वक्फ बोर्ड को कोर्ट से फटकार भी लगी है, उसके दावों को खारिज भी किया गया, जैसा कि अभी हाल ही में मध्य प्रदेश में हमने बुरहानपुर और भोपाल मामलों में देखा, फिर भी ये वक्फ बोर्ड है कि जमीनों पर कब्जा करने का कोई मौका छोड़ता नहीं दिखता। अब बिहार की राजधानी पटना के पास स्थित गोविंदपुर गांव में सुन्नी वक्फ बोर्ड के एक फरमान ने फिर से वक्फ की कार्रवाई पर प्रश्न खड़े किए हैं।

इस गांव में 90 प्रतिशत से अधिक हिंदू निवास करते हैं, जो कई दशकों से यहां रहते आ रहे हैं, लेकिन वक्फ बोर्ड का दावा है कि गांव की जमीन उसकी है। गांव वालों को 30 दिनों के भीतर जमीन खाली करने का नोटिस दिया गया है। इस प्रकरण में झूठ और मक्कारी की हद यह है कि ह्यउच्च न्यायालय द्वारा पहले ही गांव वालों के पक्ष में फैसला सुनाया जा चुका है, लेकिन वक्फ बोर्ड ने यहां लगा अपना बोर्ड ना हटाते हुए फिर से नोटिस जारी कर दिया। ग्रामवासियों का कहना है कि गांव के पिछले हिस्से में बने एक ईदगाह को लेकर विवाद है, पर वक्फ बोर्ड कुछ सुनने को तैयार नहीं। स्थानीय पार्षद जीतेंद्र कुमार बताते हैं कि गांव के पूर्व पार्षद जो कि वक्फ बोर्ड के सचिव हैं उन्होंने गांव की आधी बस्ती को वक्फ बोर्ड में डाल दिया है। डीएम जांच कर चुके हैं और उन्होंने भी वक्फ के दावों को निराधार पाया है, फिर यह बोर्ड अपने दावे पर कायम है।

इस्लाम के पैदा होने से पहले की भूमि-भवनों पर भी वक्फ बोर्ड कर रहा कब्जा

बिहार के इस गांव की तरह ही एक मामला तमिलनाडु से भी इसी प्रकार से सामने आ चुका है, एक पूरा हिंदू गाँव थिरुचेंथुरई, जो तिरुचि जिले में आता है। यहां 1500 साल पुराने मणेंडियावल्ली चंद्रशेखर स्वामी मंदिर की जमीन पर वक्फ बोर्ड ने मालिकाना हक का दावा ठोका हुआ है। मंदिर के पास गांव और उसके आसपास 369 एकड़ जमीन है। यहां रहने वाले किसान राजगोपाल जब अपनी जमीन के कुछ भाग को दूसरे को बेचने के लिए विक्रय संबंधी औपचारिकताएं पूरा करने रजिस्ट्रार के दफ्तर पहुंचे तो उन्हें रजिस्ट्रार ने बताया कि तमिलनाडु वक्फ बोर्ड ने डीड्स विभाग को 250 पन्नों का एक पत्र भेजा है, जिसमें कहा गया है कि तिरुचेंदुरई गांव में कोई भी भूमि लेनदेन केवल उसके अनापत्ति प्रमाण-पत्र के बाद ही किया जा सकता है। वर्ष 2022 में सामने आए इस मामले का निराकरण वर्तमान 2024 के अगस्त माह तक भी नहीं किया गया है। भूमि पर वक्फ बोर्ड अपना अधिकार जता रहा है। अब राजगोपाल ही नहीं पूरे ग्रामवासी सकते में हैं, क्योंकि गांव में 1600 साल पुराना हिंदू मंदिर भी वक्फ बोर्ड ने अपना बताया है, जबकि इस्लाम की उत्पत्ति ही सातवीं शताब्दी में हुई। एतिहासिक तथ्य यह है कि 622 ईस्वी में पैगंबर मुहम्मद यतुरिब शहर (मदीना) पहुंचे फिर सन 630 में मक्का आए, इसके बाद मुस्लिम कबीले इस्लाम को लेकर दूसरे देशों में निकले। 8वीं शताब्दी ईस्वी तक यह सिंधु नदी तक ही आ सका था। उसके बाद वह भारत के अंदर के भाग में आते हुए11000 एवं 1200 ईसवी में वह हिन्दू राजाओं के साथ युद्धरत रहता है। सोचिए; जो इस्लाम पैदा ही 1400 साल पहले हुआ, वह 1600 साल पूर्व भारत के किसी मंदिर पर अपना दावा ठोक रहा है? तमिलनाडु में वक्फ बोर्ड इतने पर भी नहीं रुका। इस गांव के आसपास उसने अन्य 18 गांवों की जमीन पर भी अपना दावा किया है। क्या तमिलनाडु, बिहार ही वक्फ बोर्ड के निशाने पर है? इसकी तह में जाएं तो दिखाई देता है, देश के प्रत्येक राज्य में वक्फ के भूमि-भवन से जुड़े विवाद चल रहे हैं।

भगवान श्रीकृष्ण के धाम द्वारिका में अनेक जगह हो गईं वक्फ प्रॉपर्टी

हम सभी ने हाल ही में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बहुत ही श्रद्धा के साथ मनाया है, लेकिन इन इस्लामवादी वक्फ बोर्ड के लोगों की बेशर्मी देखो; इन्होंने भगवान के धाम तक को नहीं छोड़ा। गुजरात के जिस क्षेत्र में भगवान श्री कृष्ण के साक्षात पदि्चह्न जहां जीवन्त हैं, उस द्वारिका में एक नहीं अनेकों वक्फ संपत्ति घोषित कर दी गई हैं। यहां मुसलमानों का एक इस्लामिक गिरोह जमीन पर अवैध कब्जे को कानूनी जामा पहनाने के लिए उसे वक्फ बोर्ड से नोटिफाई करवा रहा है। इस संदर्भ में देवभूमि द्वारका जिले के नवादरा गांव में स्थित हाजी मस्तान दरगाह मामले को देखें, रेवेन्यू रिकॉर्ड पर रामी बेन भीमा और रामसी भाई भीमा के नाम पर दर्ज खेती की जमीन के एक भाग पर 40-50 साल पहले एक छोटी मजार बना दी गई थी, जिसका कि तत्कालीन समय में विरोध हुआ था, फिर कहा गया कि यह स्थानीय मुसलमानों की भावना का प्रश्न है, जिसे देखते हुए हिन्दुओं ने मुसलमानों की भावनाओं का सम्मान रखा और उन्हें छोटी सी मजार बनाने के लिए जगह दे दी, लेकिन यह क्या? मजार का काम पूरा होते ही जो मुसलमान हाथ जोड़ रहे थे, वे आंखे दिखाने लगे! फिर समय बीतने के बाद अब यहां एक ट्रस्ट खड़ा करके उसे दरगाह में बदलकर वक्फ बोर्ड से नोटिफाई करवा दिया गया। सबसे बड़ी बात जितनी भूमि कभी दरगाह के लिए हिन्दू किसान से ली गई थी, उससे कहीं अधिक वर्तमान में घेर ली गई है। रेवेन्यू रिकॉर्ड में जहां दरगाह बनी है वह कृषि भूमि के रूप में ही दर्ज है। किंतु, अब विषय यह है कि आखिर वक्फ बोर्ड से सीधे टक्कर कौन सी सरकारी संस्था ले? ऐसे में जमीन के मालिक अपना पक्ष लेकर दर-दर भटक रहे हैं और अपना कीमती समय, रुपया सभी कुछ बर्बाद कर रहे हैं, यदि वे भविष्य में जीत भी जाते हैं, तब भी उन्हें कहीं से कभी उनका यह रुपया वापिस नहीं मिलना है । भगवान कृष्ण के इस प्राचीनतम स्थल द्वारका समेत जामनगर जिलों में वक्फ बोर्ड पिछले दो सालों में 345 प्रॉपर्टी अपने नाम रजिस्टर्ड कर चुका है। यहां उसकी ये कार्रवाइयां इतनी तेज रहीं कि लोग कुछ समझ पाते, उसके पहले ही इन कोस्टल इलाकों में वक्फ बोर्ड प्रॉपर्टीज अपने खाते में चड़ा चुका था। ऐसे में कहना होगा, यदि आगे कुछ वक्त और यही आलम रहा तो हिन्दुओं की भूमि यहां ढूंढे से भी नहीं मिलेगी।

अलीगढ़ में मशहूर मीरा बाबा मठ, वक्फ बोर्ड के कब्जे का विवाद सबसे नया है

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में मशहूर मीरा बाबा मठ पर अवैध कब्जे का मामला हाल ही में सामने आया। आरोप है कि वक्फ बोर्ड के पदाधिकारियों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए इस मठ पर कब्जा करने की कोशिश की है।

इसकी जानकारी होने पर अखंड हिन्दू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक शर्मा ने इस संबंध में सूचना के अधिकार के तहत तहसील से मिली रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपकर न्याय दिलवाने का आग्रह किया है। ये रिपोर्ट बताती है कि अलीगढ़ के खेड़ा गांव में वक्फ बोर्ड की कोई जमीन नहीं है, जबकि वक्फ बोर्ड के पदाधिकारी होने का दावा करने वाले यूनुस अली एवं अन्य मुसलमानों ने इस मठ को वक्फ की जमीन बताते हुए कब्जा करने की कोशिश की। यहां पिछले 150 साल से भी अधिक समय से हिन्दू परिवार पूजा पाठ करते आ रहे हैं। हर वर्ष आषाढ़ माह में विशाल मेला लगता है, जिसमें कि विशेष तौर पर बच्चों का मुंडन संस्कार कराने कई स्थानों से हिन्दू श्रद्धालू आते हैं। वहीं शादीशुदा जोड़े बाबा के दरबार में आकर सुखद दांपत्य जीवन की कामना करते हैं। गांव खेड़ा के प्रधान अमित कुमार का कहना है कि मीरा बाबा मठ की जमीन ग्राम सभा की है और उस पर वक्फ बोर्ड द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा है।

मुसलमान भी हैं कई जगह वक्फ की कार्रवाई से दुखी

आज ऐसा भी नहीं है कि वक्फ बोर्ड की मनमानी से अकेले हिन्दू या अन्य गैर मुस्लिम ही परेशान हैं अनेक स्थानों पर समय-समय पर सामने आया है मुसलमान लोग भी कई जगह वक्फ की कार्रवाई से दुखी एवं परेशान हैं। अब यही देख लें, मध्य प्रदेश के इंदौर का यह प्रकरण है, इसमें निपानिया की खसरा नम्बर 170 की विवादित वक्फ जमीन को लेकर शाह परिवार ने अपने मालिकाना हक की बात कही। परिवार का कहना है कि 253 साल पहले यानी 1771 में दिल्ली में जो मुगल हुकुमत काबिज थी, उसके आदेश पर इंदौर रियासत के महाराज होलकर ने इनाम के रूप में 50 बीघा जमीन शाह परिवार को दी थी। निपानिया की उक्त जमीन भी इस 50 बीघा में शामिल बताई जा रही है और 1930 में होलकर रियासत ने फिर से शाह परिवार के पक्ष में सनद बनाकर भी दी थी और सरकारी मिसलबंदी और खसरा खतौनी में शाह परिवार का नाम इंद्राज रहा।

इस मामले में हाजी मोहम्मद हुसैन और शाहिद शाह का कहना है कि निपानिया की इस जमीन को 1968 में वक्फ भूमि के रूप में स्वघोषित कर दिया गया और इस तरह के किसी सर्वे की जानकारी उनको नहीं दी गई। शाह परिवार का आरोप है कि मप्र वक्फ बोर्ड के ओहदेदार भूमाफिया से मिलीभगत कर लगातार अवैध सौदे करते रहे हैं। गुजरात के जामनगर के दरबार गढ़ में स्थित रतन बाई मस्जिद मार्केट की कहानी इस बात की गवाह है कि कैसे कोई प्रॉपर्टी बक्फ बोर्ड में नोटिफाई होने के बाद उसका संचालन करने वाले ट्रस्ट उसका नाजायज फायदा उठाते हैं। सूरत में कई सरकारी इमारतें हैं, जिन पर वक्फ बोर्ड ने दावा कर रखा है, कहा ये जा रहा है कि सभी संपत्तियां वक्फ की है, इन्हें खाली कर वक्फ बोर्ड को सौंपा जाए।

हरियाणा में गुरुद्वारे की जमीन कब्जाने का षड्यंत्र

हरियाणा के एक गुरुद्वारे की जमीन को वक्फ बोर्ड ने अपना बताया है, यमुनानगर जिले के जठलाना गांव में उक्त गुरुद्वारा (सिख मंदिर) वाली जमीन है। जिसे बिना किसी से संवाद किए और जानकारी के वक्फ बोर्ड को हस्तांतरित कर दिया गया, जबकि इस जमीन पर किसी मुस्लिम बस्ती या मस्जिद के होने का कोई इतिहास नहीं मिलता है। ऐसा ही एक मामला सूरत का है। यहां मुगलीसरा में सूरत नगर निगम मुख्यालय को वक्फ संपत्ति घोषित किया गया था।

स्कूल की प्रार्थना सभा में दें नशे से बचाव की समझाइश

रीवा। जिले के प्रत्येक स्कूल का शुभारंभ सामूहिक प्रार्थना सभा से होता है। सभी स्कूलों में नियमित रूप से प्रार्थना सभा आयोजित की जाती हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी प्राचार्यों तथा प्रधानाध्यापकों को स्कूल की प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को नशे से बचाव की समझाइश देने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि नशीले पदार्थ के सेवन से तन, मन और धन तीनों की हानि होती है। नशा पारिवारिक कलह, सामाजिक समस्याओं तथा अपराधों का प्रमुख कारण है। विद्यार्थियों को नशे से बचाव के लिए जागरूक करें। विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा देश के जिम्मेदार नागरिक के रूप में देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करें। स्कूल परिसर को भी नशे से पूरी तरह से मुक्त रखें। स्कूल परिसर में नशीले पदार्थों का सेवन कराने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करें।

बालकृष्ण प्रतियोगिता का सफल आयोजन सम्पन्न

रीवा। जन्माष्टमी के अवसर पर 1 सितंबर 2024 को गायत्री मंदिर में मार्तण्ड स्कूल के सामने झिरिया रीवा में बालकृष्ण प्रतियोगिता का आयोजन मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना प्रचार प्रसार अभियान रीवा मध्य प्रदेश द्वारा किया गया प्रतियोगिता में दो आयुवर्ग की सीमा प्रथम -2वर्ष से 6 वर्ष द्वितीय*6 वर्ष पश्चात् 10 वर्ष आयुवर्ग प्रतियोगिता राखी गई जिसमें बच्चों को भाग लेने निःशुल्क आमंत्रित किया गया कार्यक्रम में 40 बच्चो ने भगवान श्रीकृष्ण राधा, मीरा, सुदामा के वेशभूषा में भाग लिया जहा बच्चो ने नृत्य गायन प्रस्तुतिकरण के साथ धार्मिक प्रश्नों के उत्तर दिया जिसके आधार पर प्रथम

,द्वितीय, तृतीय और सभी को सांत्वना पुरस्कार वा संस्था द्वारा प्रमाणपत्र दिया गया प्रथम पुरस्कार खुशीदीप कच्छवाहा वा जान्या गुप्ता, द्वितीय पुरस्कार अर्विका सिंह वा पीहू गुप्ता तृतीय पुरस्कार प्रथम पांडेय वा शानवी यादव को प्रदान किया गया और सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री श्रीमती निर्मला उपाध्याय , जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण गुप्त एड. गायत्री मंदिर प्रमुख श्री हेमराज शर्मा,प्रमोद सिंह, महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती सरस्वती गुप्ता, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्री लालबहादुर सिंह, वरिष्ठ इतिहासकार श्री रविनंदन सिंह, बृजेंद्र सिंह परिहार, शिवबहादुर सिंह, उपाध्यक्ष अजय कुमार प्रधान संतोष रावत सत्येंद्र शुक्ल महामंत्री राजसिंह परिहार अवनीन्द्र सिंह कोषाध्यक्ष सुनील अग्रवाल, हरिशंकर गुप्ता,दिनेश गुप्ता,हिमांशु गौड़,शिवेंद्र गुप्ता हिमांशु गुप्ता,रामचंद्र सोनी,रामजी शुक्ल, बबलू वर्मा, शिवकुमार वर्मा, वेदप्रकाश गुप्ता नीलम सिंह, साधना गुप्ता, गीता पुरवार,राजेश गुप्ता, कार्यक्रम में निर्णायक मंडल की भूमिका श्री जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता रिचा त्रिवेदी, शालिनी सिंह जी ने सफल भूमिका निभाई कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष सुनील अग्रवाल जी ने किया

सुरक्षा के साथ सहायता को तत्पर! जिला पुलिस मैहर की बड़ी कार्यवाही

मैहर। शनिवार की मध्यरात्रि मैहर पुलिस द्वारा पुलिस महानिरीक्षक रीवा श्री महेंद्र सिंह सिकरवार, उप पुलिस महानिरीक्षक रीवा श्री साकेत प्रकाश पांडे के मार्गदर्शन एवम पुलिस अधीक्षक मैहर श्री सुधीर कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में जिले में नाइट कांबिंग गस्त ऑपरेशन की कार्यवाही की गई जिसमे वारंटियों एवम आदतन अपराधियों को चैक किया गया।कांबिंग गस्त के दौरान स्थाई, गिरफ्तारी वारटिंयों , निगरानी बदमाशों , जेल से रिहा आरोपियों एवं अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त रहने वाले असामाजिक तत्वों को चैक किया गया45 वांरटों को कराया गया तामील ,जिसमे से 4 स्थायी वारंट , एवम 41 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए।वर्ष 2016 से फरार स्थाई वारंटी चढा पुलिस के हत्थेविभिन्न मामलों में जेल से रिहा 06 आरोपियों एवम 38 निगरानी बदमाशों को किया गया चैकदिनांक 31/08/24 की मध्यरात्रि जिले में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण हेतु पुलिस महानिरीक्षक रीवा एवम उपपुलिस महानिरीक्षक रीवा के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक मैहर श्री सुधीर अग्रवाल के निर्देशन एवम समस्त राजपत्रित अधिकारियों के मार्गदर्शन में दिनांक 31/08/24 की दरम्यानी रात से सुबह तक मैहर जिले के सभी थाना प्रभारियों सहित पुलिस अधिकारियों/ कर्मचारियों द्वारा थाना क्षेत्र में गुण्डे/बदमाशों, असामाजिक तत्वो पर निगरानी एवं धरपकड़ के लिए कांबिंग गस्त की गई। गस्त के दौरान विभिन्न प्रकरणों में वांछित कुल 45 से ज्यादा वारंटों को तामील कराया गया। जिले में लंबित 94 गिरफ्तारी वारंटों में से 41 गिरफ्तारी वारंट, एवम 04 स्थाई वारंट तामील कराए गए। एवम अलग अलग मामलों में जेल से रिहा 06 आदतन अपराधियों व 38 निगरानी बदमाशों को कांबिंग गस्त के दौरान चैक किया गया। मारपीट के मामले में वर्ष 2016 से फरार स्थाई वारंटी राजकुमार उर्फ लल्ली पटेल पिता रामनिवास पटेल उम्र 45 वर्ष निवासी छतुरिया टोला थाना ताला को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। कॉम्बिग गस्त का उद्देश्य जनता में सुरक्षा की भावना एवम अपराधियों में भय का वातावरण उत्पन्न करना है।मैहर पुलिस के द्वारा गुण्डे, बदमाशों, वारंटियों असामाजिक तत्वों एवं अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियो के विरूद्ध इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

विश्व हिन्दू परिषद के 60 वर्ष पूरे, विहिप स्थापना दिवस का कार्यक्रम सरस्वती स्कूल जेल मार्ग प्रांगण में हुआ आयोजित

रीवा। नगर द्वारा विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस मनाया गया, विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने पर स्थापना दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विहिप के उद्देश्यों और विकास पर चर्चा हुई। वहीं संत हँसदास उदासी और मुख्य वक्ताओं का मार्गदर्शन मिला...कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता यातेंद्र पाठक ने विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना, उद्देश्य,लक्ष्य और विहिप के चरणबद्ध विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्ष 1964 में जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर संघ के द्वितीय सरसंघचालक पूज्य गुरूजी की प्रेरणा से और देश के सभी पंथों के प्रमुखों, प्रमुख संतों की सहभागिता से विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना मुम्बई के पवई नामक स्थान पर संदीपनी आश्रम में हुयी थी। विश्व हिन्दू परिषद स्थापना के समय से ही सन्तों के मार्ग दर्शक मंडल द्वारा दिखाये रास्ते पर चलती है। उन्होंने ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद लव जिहाद आदि पर रोक लगाने का प्रयास कर रही है । गौरक्षा, संतो की रक्षा हमारे मठ-मंदिर और धार्मिक ग्रंथों की रक्षा सम्मान के लिए विहिप कार्य कर रही है।विहिप के संगठन मंत्री मनीष मिश्रा ने कहा कि विहिप समाज में समरसता के लिए शुरुआती दिनों से ही प्रयास कर रही है, जिसका प्रभाव समाज में दिखने लगा है। विश्व हिंदू परिषद का मानना है कि सभी हिंदू सहोदर भाई हैं. कोई हिंदू उच्च नीच नहीं है, बल्कि सभी बराबर है. उन्होंने कहा है कि विश्व हिंदू परिषद का मंत्र हिंदुओं की रक्षा और समानता का मंत्र है. हिंदुओं को एकता के सूत्र में पिरोने और संगठित करने के का कार्य विश्व हिंदू परिषद लगातार करता आ रहा है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर आश्रय द्विवेदी सर्जन, संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल रीवा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृति अनादि काल से विश्व बंधुत्व की भावना को लेकर ÷सर्वे भवंतु सुखिनः÷ की उद्धार विचारधारा को जन-जन में प्रतिष्ठित करने का कार्य करते रही है, इसी कारण प्राचीन काल से ही भारत के प्रति विश्व समुदाय का आदर और श्रद्धा का भाव रहा है। हिंदू समाज समरस एवं समृद्ध था अपितु मुस्लिम आक्रांताओं के आगमन के बाद हिंदू समाज की एकता व अखंडता को तार-तार कर उसे जातिवादी, क्षेत्रवादी, भाषावादी व मत-पंथ-संप्रदाय वादी विभेदों में बांट कर पहले मुगलों (मुस्लिमों) ने और फिर अंग्रेजों (ईसाइयों) ने भारत पर या काम किया।विहत के संगठन मंत्री अवधेश सिंह ने कहा कि विपत्ति चाहे अनगिनत आई, किंतु यहां के हिंदू समाज में न तो ज्ञान की, न वीरता व पौरुष की, न धैर्य की और न धर्म की कभी न्यूनता हुई। हिंदू समाज ने विधर्मियों के विरुद्ध क्षमता से भी अधिक प्रतिकार व वीरता का परिचय दिया, फिर भी आक्रांताओं के दमन से अपने आपको नहीं बचा पाए एवं सैकड़ों वर्ष तक पराधीनता का दंश झेलते रहे। लेकिन हिन्दू भाइयों अपना धर्म नहीं छोड़ा।कार्यक्रम में रीवा नगर के समाज के प्रबुद्ध जन, आम जनमानस सहित बजरंग दल, मातृशक्ति, दुर्गा वाहिनी, सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद है।

निजी एंबुलेंस संचालकों का होगा वेरीफिकेशन, नियम विरुद्ध चलने पर होगी कार्यवाही

यातायात, आरटीओ और अस्पताल प्रबंधन ने ली एंबुलेंस संचालकों के साथ बैठक...

रीवा। जिले के श्यामशाह मेडिकल कॉलेज सहित अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई नए नियम लागू कर दिए गए हैं। अस्पताल प्रबंधन, यातायात, आरटीओ विभाग के साथ निजी एंबुलेंस संचालकों की अहम बैठक संजय गांधी अस्पताल में बुलाई गई। इस दौरान एंबुलेंस संचालकों सहित सभी कर्मचारियों की सूखी मंगाई गई , साथ ही उनसे संबंधित दस्तावेज भी मांगे गए। संजय गांधी अस्पताल में एंबुलेंस संचालकों के द्वारा मनमाना पैसा वसूलने की कई बार शिकायत होने के बाद अब प्रशासन स्तर पर रेट सूची तैयार की जा रही है। एंबुलेंस संचालकों को विशेष तौर पर यह बताया गया है, की जो भी एंबुलेंस चालक या परिचालक होंगे उनके परिचय संबंधित समस्त दस्तावेज कार्यालय में उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके पूर्व एंबुलेंस संचालकों के द्वारा एक यूनियन बनाकर एंबुलेंस चलाने का प्रयास किया गया था। लेकिन शिकायतों का दौर खत्म नहीं हुआ इस बार तीन विभाग की निगरानी में रेट सूची तैयार की जाएगी और सभी एंबुलेंस का डाटा इन विभागों के पास होगा और निर्धारित रेट के अनुसार ही अस्पताल में एंबुलेंस चलाए जाएंगे यहां तक कि उनके नंबर आने पर ही अस्पताल में प्रवेश किया जाएगा।

विश्व हिंदू परिषद ने मनाया अपना 60 वाँ स्थापना दिवस।

गरियाबंद - विश्व हिंदू परिषद ज़िला गरियाबंद के गरियाबंद नगर में विश्व हिंदू परिषद ने अपना 60 वाँ स्थापना दिवस मनाया। विश्व हिंदू परिषद विश्व का सबसे बड़ा हिन्दू संगठन है जो हिंदू समाज के मानबिंदुओ पर काम करता है समाज में जात-पात को ख़त्म करने हिंदू हिंदू आपस में भाई भाई सहोदर रहे धर्मांतरण, लव जिहाद जैसे कृत्य को ख़त्म करना। सेवा कार्यों में मंदिरों की साफ़ सफ़ाई, आपातकालीन समय पर निस्वार्थ भाव से सेवा विश्व हिंदू परिषद के बंधु करते है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत सिरकट्टी पावन धाम के मुख्य संत श्री गोवर्धन शरण जी महाराज जी रहे जिन्होंने इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद के केन्द्रीय मंत्री श्री वीरेन्द्र जी रहे जिन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना कृष्ण जन्माष्टमी के दिन हुई थी जो कि एक संयोग मात्र नहीं था जब स्थापना हुई तो सभी समाज प्रमुख एवं एवं सभी मत पंथ के संत वहाँ उपस्थित थे और सभी ने हिन्दव- सोदरा- सर्वे, न हिन्दू पतितो भवेत। मम दीक्षा हिन्दू-रक्षा,मम मंत्र- समानता का नारा हिंदू समाज में दिया। आज समाज भिन्न भिन्न जातियो में बट रहा है उसको रोकने का प्रयास करना चाहिए। भारत के अलावा बाहर किसी जाती को कोई नहीं समझता वहाँ हम सिर्फ़ हिंदू के नाम से जाने जाते है। पाकिस्तान जब अलग हुआ तब हमको पाकिस्तान से जब भगाया गया तो किसी की जाती देख कर नहीं बल्कि हिंदू होने के नाते उनको भगाया गया था। पाकिस्तान के पहले क़ानून मंत्री हुए जोगेंद्र नाथ मंडल जो छः माह भी पाकिस्तान में टिक नहीं सके। इसलिए जातियो में न बटे हिंदू हिंदू ही रहेज़िला अध्यक्ष प्रकाश निर्मलकर ने विश्व हिंदू परिषद के 60 वर्षों के कार्यों के बारे में विस्तृत से बताया। कुटुंब प्रबोधन के विषय पर श्री सदानंद सर्वांकर ने बताया कि हमारा परिवार टूटने से कैसे बचें छोटा परिवार कैसे दुखों का पहाड़ होता है और बड़ा परिवार कैसे सुखी परिवार होता है इस विषय पर घर परिवार में बच्चों को धार्मिक कैसे बनाए इस विषय पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में नगर के माननीय संघ चालक श्री सत्य प्रकाश मानिकपुरी जी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनजातीय गौरव समाज के श्री हरिश्चंद्र कमार जी, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष श्री शिशुपाल सिंग राजपूत सहित ज़िले एवं गरियाबंद नगर के गणमान्य नागरिक माता बहने उपस्थित रहे।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत कुशल प्रशिक्षकों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण

कार्यक्रम का उद्देश्य ज़िले के शिक्षकों को साक्षरता के क्षेत्र में नवीनतम और प्रभावी शिक्षण पद्धतियों से परिचित कराना ताकि वे अपने विद्यार्थियों एवम शिक्षार्थियों को अधिक कुशलता से शिक्षित कर सकें-जिला परियोजना अधिकारी साक्षर भारत गरियाबंद

गरियाबंद। गरियाबंद में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत कुशल प्रशिक्षकों का ज़िला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ । कार्यक्रम ज़िला मुख्यालय के विकासखंड स्रोत समन्वयक गरियाबंद के प्रशिक्षण हाल में हुआ। जिला शिक्षा अधिकारी ए के सारस्वत जिला मिशन समन्वयक के एस नायक और डी. पी.ओ. बुद्धविलास सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में बताया।जिला शिक्षा अधिकारी महोदय ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य ज़िले के शिक्षकों को साक्षरता के क्षेत्र में नवीनतम और प्रभावी शिक्षण पद्धतियों से परिचित कराना है, ताकि वे अपने आसपास के शिक्षार्थियों को अधिक कुशलता से शिक्षित कर सकें। इस अवसर पर बताया गया कि साक्षरता किसी भी समाज की प्रगति का मूल आधार होती है और यह कार्यक्रम समाज में साक्षरता का प्रसार करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।उन्होंने प्रशिक्षकों से आग्रह किया कि वे इस प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान और कौशल का प्रयोग करके समाज के वंचित वर्गों तक और अधिक बेहतर तरीक़े से शिक्षा का प्रकाश पहुँचाएं। उन्होंने पढ़ाने वाले शिक्षक और पढ़ने वाले विद्यार्थी का उदाहरण देते हुए कहा कि दोनों में बेहतर और अच्छा तालमेल बन जाता है। वह अपने शिक्षक की हर बात उनकी हर गतिविधि की बड़ी बारीकी से अवलोकन (ऑब्जरवेशन) करता है। कि शिक्षक का मन से पढ़ा रहे हैं या आज उसकी पड़ाने की इच्छा नहीं है। इसलिये स्कूल में आये तो बच्चों को पूरे मन से पढ़ाये। है। शिक्षा से हमारी आदतों में भी सुधार होता है। और हमारे जीवन में बहुत सारे परिवर्तन देखने को मिलते हैं।यह प्रशिक्षण सीखने सिखाने की नवाचारी गतिविधियों पर हो रहा है। प्रशिक्षण उपरांत यह प्रशिक्षक अपने विकासखंड में, संकुल में, जोन में प्रशिक्षण देना सुनिश्चित करेंगे।कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सत्रों में साक्षरता की नई विधियों, शिक्षण के प्रभावी तकनीकों और समाज में शिक्षा के महत्त्व पर गहन चर्चा की गई। साथ ही, प्रशिक्षण में भाग लेने वाले शिक्षकों ने भी अपने अनुभव साझा किए और इस कार्यक्रम से उन्हें क्या-क्या नई बातें सीखने को मिलीं, इस पर विचार-विमर्श किया।इस कार्यक्रम के माध्यम से ज़िले में साक्षरता को बढ़ावा देने और समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास किया गया है। डी पी ओ ने प्रशिक्षकों को इस कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त ज्ञान को ज़मीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रेरित किया। छात्र-छात्राओं ने लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने एक रैली भी निकाली। जिला स्तरीय डी आर जी प्रशिक्षण में जिला के पांचों विकासखंड से चार चार शिक्षक शामिल हुए साथ ही विकासखंड गरियाबंद परियोजना अधिकारी व्यंकटेश साहू, विकासखंड मैनपुर परियोजना अधिकारी शिवकुमार साहु, छुरा विकासखंड परियोजना किशन धीतेश शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन एस आर जी लोकेश्वर सोनवानी एवं आरती सोनवानी ने किया। प्रशिक्षण में डी आर जी के रूप में प्रमुख रूप से संतोष कुमार तारक, ईश्वरी सिन्हा, धनेश्वरी सिन्हा मोहिनी गोस्वामी, पद्मनी साहु, डालिमा रेंगे ,गीता ठाकुर, मोतीराम ध्रुव, शकर लाल यदु नोहर कुमार सोनी, चंद्रिका साहु, अखिलेश खरे अमित शर्मा

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कोसमबुडा में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन

आज दिनांक एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कोसमबुडा में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय खेल-कूद प्रतियोगिताओं का समापन सफलता पूर्वक हो गया। प्रतियोगी प्रतिस्पर्धाओं का शुभारंभ 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के सुअवसर पर किया गया। यह दिवस हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के सम्मान में मनाया जाता है।प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के ÷स्वास्थ्य एवं खेल÷ विचार को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कई मंचों से विद्यार्थियों के उत्तम स्वास्थ्य हेतु खेलों की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस विचारधारा पर बढ़ते हुए एकलव्य विद्यालय में बैडमिंटन, खो-खो,बॉली-बॉल,लॉन्ग जम्प,शार्ट पुट, डिस्कस थ्रो,स्टैंडिंग ब्रॉड जम्प,लेमन रेस,थ्री लेग रेस आदि खेलों का अंतरसदनीय आयोजन किया गया। खेलों में सभी विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बैडमिंटन प्रतियोगिता में बालक वर्ग में तापी सदन से कामदेव और राहुल तथा बालिका वर्ग में गीतांजलि और तुलसी विजेता रहे। खो-खो में सीनियर बालक वर्ग में ब्रह्मपुत्र सदन जूनियर बालक वर्ग में गंगा सदन,सीनियर और जूनियर बालिका वर्ग में गोदावरी सदन विजेता रहे। लंबी कूद में ब्रह्मपुत्र सदन से रामेश्वरी और तापी सदन से डिगेंद्र ने बाजी मारी। शार्ट पुट बालक में गोदावरी सदन से ओमप्रकाश, बालिका वर्ग में गोदावरी सदन से डिंपल विजेता रहे। स्टैंडिंग ब्रॉड जम्प जूनियर वर्ग प्रतियोगिता में तापी सदन से नितिन विजेता रहे। वॉलीबॉल में सीनियर बालिका वर्ग से तापी सन तथा सीनियर बालक वर्ग से ब्रह्मपुत्र सदन विजयी रहा। लेमन रेस में बालक तथा बालिका दोनों ही वर्ग में गोदावरी सदन ने बाजी मारी।थ्री लेग रेस बालक वर्ग में तापी सदन से राहुल और नितिन, ालिका वर्ग में गंगा सदन से झरना और हिमांशी विजयी रहे।इस प्रकार से विद्यालय में उपरोक्त खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन तीन दिवस के दौरान किया गया जिसका समापन आज दिनांक 31/08/2024 को किया गया।प्रधानाचार्य डा0 कमलाकांत यादव जी ने सभी बच्चों की भूरी-भूरी प्रशंसा की तथा भविष्य में भी अच्छी खेल भावना के साथ उत्कृष्ट खेल खेलने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को अनुशासित रहते हुए अपने खेल को खेलना चाहिए। एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है।प्रतियोगिता का आयोजन खेल शिक्षक श्री नीरज खर्ब के नेतृत्व में किया गया जिसमें समस्त शिक्षकों का योगदान रहा।

जैस्मीन भसीन

ने जब किया अली गोनी से प्यार का इजहार, चिढ़ गईं थीं गर्लफ्रेंड नताशा स्टेनकोविक, बताया अनकंडिशनल प्यार

हार्दिक पांड्या संग रिलेशनशिप आने और शादी से पहले नताशा स्टेनकोविक ने अली गोनी संग रिलेशनशिप में थीं. नताशा के ब्रेकअप के बाद ही अली, जैस्मीन भसीन के साथ रिलेशनशिप में आए थे और यह साथ अभी तक बना हुआ है. वहीं, नताशा और हार्दिक पांड्या ने डेट के बाद शादी की. उनका एक बेटा अगस्त्य भी है. हालांकि अब दोनों अलग हो चुके हैं. अब, नताशा, जैस्मीन और अली का एक पुराना वीडियो सामने आया है. यह वीडियो 'नच बलिए सीजन 9' का है. इस दौरान अली और नताशा रिलेशनशिप में थे और दोनों शो में कपल कंटेस्टेंट बने थे.

नताशा स्टेनकोविक और अली गोनी की एक परफॉर्मेंस के दौरान जैस्मीन भसीन ने सरप्राइज एंट्री ली. इस एपिसोड में श्रद्धा कपूर और प्रभास फिल्म 'साहो' का प्रमोशन करने के लिए आए थे. इसी एपिसोड में नताशा संग रिलेशनशिप में रहे अली के लिए जैस्मीन ने अपने प्यार का इजहार किया.

जैस्मीन भसीन फैनपेज द्वारा शेयर किया गए इस वीडियो में कहते हुए कहा कि वह अली को अनकंडिशनल प्यार करती हैं. उन्होंने कहा,मैं उससे प्यार करती हूं, बिना शर्त के. सबको ऐसा लगता है. क्योंकि अली ऐसा ही है. मतलब इसके लिए लड़कियां को बोलने की ज़रूरत नहीं पड़ती वो आंखों ही आंखों में घुमा लेता है सबको. इस दौरान नर्वस नजर आते हैं. वहीं, नताशा, जैस्मीन के इस कमेंट पर नाराज नजर आती हैं.

अली गोनी ने बताई थी नताशा स्टेनकोविक संग ब्रेकअप की वजह

जैस्मीन भसीन ने बात उस वक्त कही थी, जब अली गोनी ने नताशा से ब्रेकअप का एक बड़ा हिंट दिया था. वह भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट पर दिखाई दिए, जहां उन्होंने अपने नताशा संग रिलेशनशिप के बारे में बात की. हालांकि अली ने नताशा का नाम नहीं लिया था. उन्होंने कहा था कि उनका ब्रेकअप इसलिए हुआ क्योंकि वह (नताशा) उनकी फैमिली के साथ नहीं रहना चाहती थी.

नताशा स्टेनकोविक अली की फैमिली संग नहीं रहना चाहती थीं!

अली गोनी ने कहा था, ‰जो मेरा इससे (जैस्मीन भसीन) पहले भी रिलेशन था, वो बहुत सीरियस था. उसका कारण ही यही था कि उसने मुझे बोला के-'यार जब हम शादी करेंगे फ्यूचर में हम अलग रहेंगे'. वो चीज मुझे नहीं जमी‰ अली ने कहा कि वह फैमिली मेन हैं और अलग नहीं रहना चाहते हैं. वह अपनी फैमिली को नहीं छोड़ सकते.

बैंक अकाउंट में थे 260 रुपये, केबीसी ने बना दिया लखपति, अब करोड़पति बनने से सिर्फ 1 कदम की है दूरी

अमिताभ बच्चन का क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 16' सुर्खियों में छाया हुआ है. अब तक शो के इस सीजन में कई लोग लखपति बन चुके हैं, लेकिन बहुत जल्द शो को पहला करोड़पति मिल सकता है. इस बीच मेकर्स ने 'केबीसी 16' का एक प्रोमो शेयर किया है, जिसमें मध्य प्रदेश के बंटी वादिवा हॉट सीट पर बैठकर गेम खेलते हुए नजर आ रहे हैं. वह 'केबीसी 16' में 1 करोड़ रुपये के सवाल तक पहुंच चुके हैं.सोनी टीवी के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर 'केबीसी 16' का नया प्रोमो शेयर किया गया है. वीडियो में देखा जा सकता है कि हॉट सीट पर बंटी वादिवा नजर आ रहे हैं. वह कहते हैं, 'मुझे गर्व है कि मैं पहला आदिवासी हूं, जो हॉट सीट पर बैठा है. शो में आने से पहले मेरे बैंक अकाउंट में मात्र 260 रुपये थे, लेकिन अब मैं लखपति बन गया हूं.'

1 करोड़ के सवाल का जवाब देंगे बंटी

'कौन बनेगा करोड़पति 16' शो में बंटी 50 लाख रुपये की धनराशि जीत चुके हैं और अब वह करोड़पति बनने से सिर्फ एक कदम की दूरी पर हैं. प्रोमो में देखने को मिलता है कि अमिताभ बच्चन कंटेस्टेंट बंटी से 15वां सवाल पूछते हुए नजर आते हैं, जो कि 1 करोड़ रुपये के लिए है. इसके बाद बंटी कहते हैं, 'मैं अपनी जिदंगी का सबसे बड़ा रिस्क लेने जा रहा हूं.' खैर, 15वें सवाल का जवाब देकर बंटी करोड़पति बन जाते हैं या नहीं, इसका खुलासा शो के एपिसोड में ही होगा.

केबीसी 16 को मिलेगा पहला करोड़पति ?

गौरतलब है कि 'कौन बनेगा करोड़पति 16' शो को अब तक अपना पहला करोड़पति नहीं मिला है. इससे पहले राजस्थान की रहने वाली नरेशी मीणा 1 करोड़ के सवाल तक पहुंच पाई थीं, लेकिन सही जवाब मालूम नहीं होने की वजह से उन्होंने गेम क्विट कर दिया था. अब देखना होगा कि कंटेस्टेंट बंटी वादिया शो के पहले करोड़पति बन पाते हैं कि नहीं.

क्यों प्रमोट किया? फैंस के निशाने पर आए सनी देओल-प्रीति जिंटा, वायरल हो रहा पुराने पान मसाला वाला विज्ञापन

फिल्मी सितारों की बताई चीजों से अक्सर लोग प्रेरणा लेने लगते हैं. ज्यादातर लोग उन्हें फॉलो भी करते हैं. शाहरुख, अक्षय जैसे कई स्टार्स पान मसाला के विज्ञापनों में भी नजर आ चुके हैं. अब सनी देओल और प्रीति जिंटा का भी एक एक पुराना वीडियो सामने आया है, जिसमें वह पान मसाला की एड करते नजर आ रहे हैं. लोग इस एड की जमकर आलोचना कर रहे हैं.वायरल हो रहे इस एड में शक्ति कपूर और अखिलेंद्र मिश्रा भी नजर आ रहे हैं. बस में शूट किया गए इस पूरे वीडियो में पान मसाले को जमकर प्रमोट किया जा रहा है. कई छोटे बच्चे भी इस एड में काम करते नजर आ रहे हैं. लेकिन वायरल हो रहे इस पुराने पान मसाला के विज्ञापन की लोग जमकर आलोचना कर रहे हैं.

वायरल हो रहा सनी देओल-प्रीति जिंटा का पुराना वीडियो

वायरल हो रहा सनी देओल और प्रीति जिंटा का ये पुराना 'पान मसाला' का विज्ञापन रेडिट पर शेयर किया गया है. सामने आने के बाद से ही ये वीडियो सभी का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है.

इस वीडियो में शक्ति कपूर और डेलनाज ईरानी जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं. यह माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर वायरल हो गया है और फैंस ऐसे प्रोडक्ट का विज्ञापन करने के लिए सनी और प्रीति की जमकर आलोचना कर रहे हैं, खासकर बच्चों को दिखाने वाले विज्ञापन के लिए.

बस में शूट हुआ था पूरा वीडियो

सामने आया ये एड बस में शूट किया गया है, जिसमें पर्यटकों का एक समूह दिखाया गया है, जो पान मसाला के एक ब्रांड को लेकर काफी एक्साइटेड होते दिख रहे हैं कि किसको पहले मिलेगा ये पान मसाला. इसी बस में बच्चे भी नजर आ रहे हैं, इन्हीं में से एक बच्चा सनी देओल और प्रीति जिंटा को देखकर चिल्लाने लगता है फिर सनी ने पैकेट पर अपना 'ऑटोग्राफ' भी दिया. वीडियो में कई जाने-माने अभिनेता और कई बाल कलाकार भी नजर आ रहे हैं.

वीडियो देख फैंस का फूटा गुस्सा

सामने आए इस वीडियो में एक यूजर ने लिखा, 'क्या यह सच में गुटखा है ? ? अगर हाँ तो वह इसे एक बच्चे को क्यों दे रहा है. वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'शायद असली गुटखा नहीं बल्कि कोई सरोगेट प्रोडक्ट है जिसमें तंबाकू मिलाया गया है. एक अन्य ने लिखा, 'वे ऐसे विज्ञापनों में बच्चों को डालने से बच सकते थे. ये एड इन बच्चों के बनी भी शूट किया जा सकता था. एक ने तो ये तक लिखा डाला कि इसे डिफेंड मत करो'.

बिपाशा बसु

ने बेटी देवी का दिखाया क्यूट लुक, VIDEO देख ठहर जाएंगी निगाहें

बिपाशा बसु सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं. वह अक्स अपनी बेटी देवी के साथ टाइम स्पेंड करती नजर आती हैं. हाल ही में उन्होंने देवी के साथ एक मनमोहक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह उस पर प्यार लुटाती नजर आ रही हैं.इंस्टाग्राम पर बिपाशा के 14 मिलियन फॉलोअर्स है.

उन्होंने इस प्लेटाफॉर्म पर अपनी बेटी का एक क्यूट वीडियो शेयर किया है. वीडियो में देवी गुलाबी टी-शर्ट और काली लेगिंग पहने हुए देखा जा सकता है। वही बिपाशा ने भी अपनी बेटी से ट्यूनिंग की है.

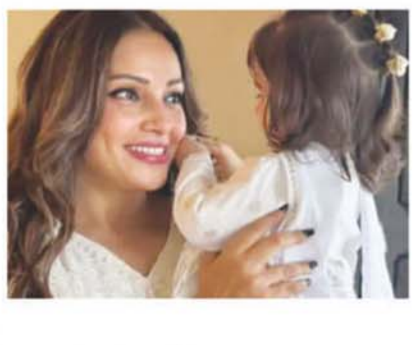

दिल जीत रहा देवी की ये स्टाइलिश लुक

बिपाशा ने देवी के इस क्यूट लुक को पिंक हेयर बीड्स और फर रबर बैंड से पूरा किया है. इंस्टा पोस्ट में बिपाशा अपनी बच्ची की एक प्यारा नेकपीस बनाने में मदद करती हुई दिखाई दे रही हैं. इस पोस्ट के कैप्शन में बिपाशा ने दिया है, मम्मा और देवी, बेस्ट टीम.' दूसरे वीडियो में हम देवी को रंगों से खेलते और दीवार पर पेंटिंग करते हुए देख सकते हैं. इसमें एक्ट्रेस ने कैप्शन दिया है, 'आर्ट'.

बिपाशा ने 2001 में किया था डेब्यू

आखिरी क्लिप में देवी ने अपना बनाया नेकपीस पहना हुआ है और कैमरे के सामने उसे फ्लॉन्ट कर रही हैं. बिपाशा ने अप्रैल 2016 में अपने 'अलोन' को-स्टार करण सिंह ग्रोवर से शादी की। उनकी बेटी 'देवी' का जन्म नवंबर 2022 में हुआ. एक्ट्रेस ने 2001 में अब्बास-मस्तान की एक्शन थ्रिलर 'अजनबी' में अक्षय कुमार के साथ एक नेगेटिव रोल से अभिनय की शुरुआत की थी. इस फिल्म में करीना कपूर और बॉबी देओल भी नजर आए थे.

तीन आवासीय कॉलोनी और 1500 से ज्यादा पीएम जनमन आवास बनाकर शिवपुरी जनपद देश में प्रथम

शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन के प्रयासों से शिवपुरी विधानसभा में बनी तीनो कॉलोनी ,विधानसभा में एक भी सहरिया आदिवासी बिना पक्की छत के नहीं रहेगा

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जनजातीय समुदाय के उत्थान का संकल्प और प्रदेश के मुखिया मोहन यादव की अंत्योदय की अवधारणा को मूर्त रूप देने के प्रयासों के कारण ही अतिपिछड़े जनजातीय समुदाय को पक्की छत नसीब हो रही है ,ये पहली बार है कि मप्र के अतिपिछड़ी जनजातियों बेगा ,सहरिया ,सहरिया को गुणवत्ता पूर्ण और सुन्दर पक्की छत वाले घर का लाभ मिलने के साथ ही केंद्र सरकार द्वारा संचालित समस्त हितग्राहीमूलक योजनाओ का घर घर जाकर प्रशासन के द्वारा लाभ दिया जा रहा है !ये सब मोदी जी के द्वारा शुरू की गयी पीएम जनमन योजना के कारण संभव हो पा रहा है !इसी तारतम्य में शिवपुरी विधानसभा पूरे देश में अपने गुणवत्तापूर्ण और आकर्षक आवास एवं कॉलोनी निर्माण के कारण देशभर में चर्चा का विषय बनी हुई है ,शिवपुरी विधानसभा के विधायक श्री देवेंद्र जैन का प्रयास है कि ऐसी सुन्दर सुन्दर कॉलोनी का निर्माण विधानसभा की हर सहरिया बाहुल्य पंचायत में हो , और इन कॉलोनी मे निवासरत हर सहरिया आदिवासी के पास सरकार की हर योजनाओ का लाभ मिले ,रोड ,हर घर नल से जल ,बिजली ,चौपाल ,सामुदायिक भवन ,स्ट्रीट लाइट की सुविधा इन कॉलोनियों में दी जायेगी !जैसा कि विदित है कि शिवपुरी जनपद ने ग्राम पंचायत हातोद ,कोटा ,डबिया में सुव्यवस्थित पीएम जनमन कॉलोनी बनाकर पूरे देश का ध्यान अपनी और खींचा था अब 1540 पीएम जनमन आवास भी पूर्ण कर लिए है कलेक्टर शिवपुरी श्री रविंद्र कुमार चौधरी के द्वारा भूमि उपलब्धता से लेकर आवास पूर्ण होने तक हर स्तर पर सघनता से मॉनिटरिंग की है और जनपद सीईओ गिर्राज शर्मा और उनकी टीम को सहरिया हितग्राहियों के प्रति संवेदनशील रहकर काम करने के लिए निर्देशित किया ,आवास के लिए उपप्योग होने वाली सामग्री की सस्ते दामों पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के अतिरिक्त बैंकर्स की बैठक कर आसानी से एवं गाँव गाँव तक आवास

की राशि का वितरण सुनिश्चित करवाया सीईओ जिला पंचायत उमराव सिंह मरावी के द्वारा प्रतिदिन इन कॉलोनियों का निरिक्षण कर सचिव जीआरएस सरपंच के अतिरिक्त कारीगर ,मजदूर तक से चर्चा कर ,मोटिवेट करके ,उनकी समस्यायों का निराकरण करके कॉलोनी की उत्कृष्ट गुणवत्ता सुनिश्चित करवाई !सीईओ मरावी के प्रयासों से आज शिवपुरी पूरे देश के लिए नजीर बन गया है एवं उन्होंने इसके लिए सीईओ जनपद शिवपुरी श्री गिर्राज शर्मा और उनकी टीम को बधाई ,शुभकामनाये भी दी है !पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रह्लाद पटेल ने जब इन कॉलोनी का निरिक्षण किया तब उन्होंने इन कॉलोनियों की गुणवत्ता की विशेष तारीफ की ,उन्होंने कहा कि कॉलोनियों के निर्माण से सहरिया आदिवासियों के जीवन में वृहद स्तर पर परिवर्तन आगामी समय में हम सभी को देखने के लिए मिलेगा !शिवपुरी जनपद ने अभी तक 1540 आवास के साथ साथ तीन कॉलोनी पूर्ण कर ली है ,देश में ऐसा करने वाली एकमात्र जनपद है ! इसके अतिरिक्त कॉलोनी वाली सभी पंचायतो में पात्रता पर्ची ,आवास ,पेंशन ,पोषण आहार के लिए अब कोई पात्र हितग्राही शेष नहीं है इन योजनाओ का सेक्कुरेशन भी किया जा चूका है !कलोथरा ,सकलपुर ,इमलिया ,बड़ागांव ,भानगड़ ,कराइ केराउ ,मझेरा पंचायतो के द्वारा बड़ी संख्या में गुणवत्ता पूर्ण आवास पूर्ण किये हैं

इनका कहना है –

मेरी विधानसभा में हर सहरिया आदिवासी भाई को पक्की छत का लाभ मिलेगा ,मेने अधिकारियो को निर्देशित कर दिया है कि गुणवत्तापूर्ण आवासों का निर्माण हो ,येसब मोदी सरकार के कारण संभव होगा ,शिवपुरी जनपद ने वाकई तारीफे काबिल कार्य किया है

-श्री देवेंद्र जैन विधायक शिवपुरी विधानसभा

अतिपिछड़ी सहरिया जनजाति के लिए गुणवत्तापूर्ण और सुन्दर घर बने ये लगातार हम कोशिश कर रहे है ,पीएम जनमन योजना मेरी प्राथमिकता में है हमलोग कॉलोनी में 280(1)के तहत आधारभूत संरचनाओं का निर्माण भी करवा रहें है

-रविंद्र कुमार चौधरी कलेक्टर शिवपुरी

पंचायत के अमले की दिनरात के अथक परिश्रम की वजह से ये संभव हुआ है ,कॉलोनी भी उत्कृष्टता की परिचायक है ,निकट समय में अधिक से अधिक कॉलोनी का निर्माण किया जायेगा -उमराव सिंह मरावी सीईओ जिला पंचायत शिवपुरी

कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों के खेतों का भ्रमण किया फसल को कीटों से बचाने के लिए दी सलाह

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी ने कृषि विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र की टीम को संयुक्त रूप से क्षेत्र में भ्रमण करने के निर्देश दिए थे। उप संचालक कृषि यू एस तोमर एवं कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डा पुनीत कुमार, कृषि वैज्ञानिक एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी ने रविवार को ग्राम अर्जुंगवा के किसान नवाब सिंह कुशवाह एवं ग्राम बिछी के किसान रमन बिहारी गुर्जर के धान के खेतों का भ्रमण किया । धान की फसल में पीला तना छेदक कीट का प्रकोप देखा गया। इस कीट के नियंत्रण हेतु कीटनाशक छिड़काव की सलाह दी

गई। सोयाबीन की फसल में भी कीट से बचाव के लिए कृषि विभाग द्वारा सलाह दी गई है।वर्तमान दशा में फूल से फली का निर्माण हो रहा है तथा फलियों में दाने बनने की अवस्था शुरुआत हो रही है। ऐसी स्थिति में कीटों से बचाए रखना बहुत जरूरी है। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने किसानों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों का आपस में तालमेल रहता है। यह जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाएं, जिससे फसल से अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सके। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए कृषि विशेषज्ञ एवं वैज्ञानिकों से परामर्श लेते हुए फसल को बचाने के लिए एकीकृत कीट रोग नियंत्रण के उपाय भी करें। जिससे फसल स्वस्थ बनी रहे तथा भरपूर उत्पादन प्राप्त हो। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी द्वारा लगातार समीक्षा करते हुए कृषि विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण कर जिले में फसलों की स्थिति का जायजा लें और किसानों को अच्छा उत्पादन मिले और उन्नतिशील किसान आगे आए, इसके लिए विभाग का किसानों से संपर्क रहना चाहिए। स्थानीय अमले द्वारा लगातार किसानों को जानकारी दी जाना चाहिए

शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए नरसिंहपुरा गांव के भायल परिवार का राज्य स्तर पर किया सम्मानित

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

उदयपुर । दिनांक 01 सितम्बर, 2024 को पहली बार उदयपुर में आयोजित 28 वा राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में मारवाड़ जंक्शन उपखण्ड के गांव नरसिंहपुरा के भामाशाह परिवार भंवर लाल, धनाराम पुत्र चेलाराम भायल, भेराराम पुत्र स्वर्गीय कुपाराम भायल, पीताराम, जगदीश, अशोक कुमार पुत्र ढगला राम भायल, रमेश, राजाराम पुत्र चुन्नीलाल भायल द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नरसिंहपुरा में लगभग 18.50 लाख रुपए खर्च कर सम्पूर्ण विद्यालय भवन का नवीनीकरण एवम् सौदर्यीकरण का कार्य करवाया गया जिसके तहत भायल परिवार को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर नरसिंहपुरा विकास सेवा समिति के अध्यक्ष दुर्गाराम भायल , सचिव चन्दाराम भायल , कोषाध्यक्ष डायाराम भायल ने बताया कि ये हमारे समस्त ग्रामवासियों के लिए बहुत खुशी की बात है की भामाशाह भायल परिवार को इस सम्मान समारोह के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवम् शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा सम्मानित किया गया। विद्यालय के संस्था प्रधान यशपाल सिंह राठौड़, विद्यालय परिवार, नरसिंहपुरा ग्राम सेवा विकास समिति के सदस्य कैलाश मालवीय एवम् समस्त ग्रामवासियों ने खुशी जाहिर करते हुए भामाशाह भायल परिवार का आभार व्यक्त किया

45 ग्राम स्मैक के साथ 03 आरोपी को किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी – जिले में अवैध मादक पदार्थ, जुआ, सट्टा, अवैध हथियार, अवैध खनन परिवहन, अवैध शराव की धरपकड जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये उक्त निर्देश के पालन मे दिनांक 01.09.24 को थाना करैरा पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि तीन व्यक्ति गल्ला मण्डी के पीछे कब्रिस्तान के पास संदिग्द अवस्था में स्मैक मादक पदार्थ बेचने के लिये खडे हुये है। उक्त सूचना की तस्दीक हेतु मुखबिर के बताये स्थान गल्ला मण्डी के पीछे कब्रिस्तान के पास पहुंचे तो वहां मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर पहुँचे तो वहाँ पर तीन व्यक्ति खडे दिखे जो पुलिस को आता देख भागने लगे जिसे हमराही बल की मदद से घेर कर पकड़ उसका नाम पता पूछा तो एक ने अपना नाम गजेन्द्र पुत्र जसवंत रावत उम्र 36 साल नि. ग्राम स्याऊ थाना करहिया जिला ग्वालियर का होना बताया। उक्त व्यकित की जामा तलाशी ली गई तो उसके शर्ट की ऊपर की जेब से पारदर्शी पालीथीन की थैली मे भूरे रंग का पाउडर स्मैक 15 ग्राम मिली व दूसरे व्यक्ति का नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम काशीराम पुत्र खेर सिहं रावत उम्र 36 साल नि. ग्राम स्याऊ थाना करहिया जिला ग्वालियर का होना बताया उक्त व्यकित की जामा तलाशी ली गई तो उसके बांयी तरफ की पैंट की जेब से पारदर्शी पालीथीन की थैली मे भूरे रंग का पाउडर स्मैक 16 ग्राम मिली एवं तीसरे व्यक्ति का नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम मोहर सिहं पुत्र मांगीलाल बंजारा उम्र 35 साल नि. ग्राम पाटरी जिला बांरा राजस्थान का होना बताया उक्त व्यक्ति की जामा तलाशी ली गई तो उसके वांयी तरफ की पैंट की जेब से पारदर्शी पालीथीन की थैली मे भूरे रंग का पाउडर स्मैक 14 ग्राम मिली तीनों आरोपियों गजेन्द्र पुत्र जसवंत रावत, काशीराम पुत्र खेरसिहं, मोहरसिहं पुत्र मांगीलाल के कब्जे से कुल मादक पदार्थ स्मैक 45 ग्राम जप्त की गई जिसकी कीमती 04 लाख 50 हजार रुपये बरामद को विधिवत जप्त किया गया तथा आरोपीगणों को गिरफ्तार किया गया। तीनों आरोपीगणों के विरूद्ध अप.क्र. 643/24 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया। आरोपीगणों से स्मैक के स्त्रोत के संबंध मे विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

बरामद माल 45 ग्राम मादक पदार्थ स्मैक कीमती 04 लाख 50 हजार रुपये इनकी रही भूमिका थाना प्रभारी करैरा निरी0 श्री विनोद छावई, उनि अमित चतुर्वेदी, सउनि प्रवीण कुमार, आर 965 सुरेन्द्र रावत, आर 1165 मत्स्येन्द्र सिहं, आर 338 हरेन्द्र गुर्जर, आर 895 राधेश्याम जादौन आर चालक 117 रामअवतार गुर्जर।

दतिया डॉक्टर उर्मिला गुप्ता द्वारा रचित भवभूति के नाटकों में जीवन मूल्य पुस्तक का विमोचन एवम सेवा निवृत कार्यक्रम संपन्न

संदीप प्रधान दैनिक पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट

दतिया। गहोई वाटिका में आज डॉक्टर उर्मिला गुप्ता द्वारा लिखित पुस्तक÷ भवभूति के नाटकों में जीवन मूल्य÷ का विमोचन

आज मुख्य अतिथि धनजय मिश्रा अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दतिया, डॉक्टर अश्वनी श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि एवम डॉक्टरआर पी गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। पुस्तक की समीक्षा डॉक्टर आर के गुप्ता एवम मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर रविशंकर दीक्षित उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती जी की एवम पीतांबरा माई की तस्वीर माल्यार्पण से हुई ।कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा भवभूति पुस्तक के सुपर अपने विचार प्रस्तुत किए।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों च्च्को अपनी शासकीय सेवा से निवृत हो गई है। मंच का संचालन कविता त्रिपाठी ने किया एवम आभार प्रदर्शन राजेश मोर ने किया।

जिला प्रशासन की टीम द्वारा पूरे शहर में छापामार कार्यवाही 22 के विरुद्ध सामान जप्ती और जुर्माने की कार्यवाही

'स्कूल के आसपास दुकानें, मेडिकल और मदिरा दुकानों पर की जांच

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - स्कूलों के आसपास 100 मीटर के दायरे में ऐसी दुकाने जिन पर तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट अन्य तंबाकू उत्पाद बेचे जा रहे हैं। इन दुकानों पर रविवार को जिला प्रशासन की टीम द्वारा जांच की गई। स्कूलों के आसपास दुकानों पर तंबाकू उत्पाद का विक्रय, मदिरा दुकानों और मेडिकल स्टोर पर टीम ने जांच की। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने दल गठित कर दुकानों का निरीक्षण करके जांच के निर्देश दिए थे।तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम 2003 सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिरोध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम 2003 के तहत शहर में शिक्षण संस्थानों के निकटतस्थ तम्बाकू, बीडी. गुटखा इत्यादि को विक्रय किये जाने के संबंध में छः टीम गठित की गई। देवेन्द्र सुन्दरयाल जिला कार्यक्रम

अधिकारी,समर सिंह राठोर जिला शिक्षा अधिकारी, कैलाश चन्द्र मालवीय नायब तहसीलदार,शिप्रा उपाध्याय नायब तहसीदार, दफेदार सिंह डीपीसी, विवेक श्रीवास्तव प्रिंसीपल उत्कृष्ट विद्यालय शिवपुरी, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी द्वारा शहर के विभिन्न इलाकों में जांच की गई। शिक्षण संस्थानों के निकटतस्थ तम्बाकू, बीडी, गुटखा इत्यादि को विक्रय किये जाने के कारण 22 व्यक्तियों के विरुद्ध 3100 रुपए की चालानी कार्यवाही की गई एवं लगभग 50000 रुपए की सामग्री जप्त की गई। एस डीएम शिवपुरी उमेश कौरव ने बताया कि इन टीमों द्वारा शराब की दुकानों की जांच की गई जिसमें गुरुद्वारा चौराहे के पास सिथत एबीरोड पर शराब की दुकान के सीसीटीवी कैमरे लगे थे, लेकिन मॉनिटर रिषीश्वर कॉलोनी स्थित आफीस में होना बताया गया। लक्ष्मी निवास के सामने शराब की दुकान में सीसीटीवी कैमरे में फुटेज नहीं दिखाई देने और शराब की दुकान लालजीत शिवहरे की जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज स्क्रीन नहीं पाई जाने से संबंधित के विरूद्ध नोटिस की कार्यवाही की जावेगी एवं जांच के दौरान एक शराब की दुकान शासकीय कन्या विद्यालय सुभाषचौक शिवपुरी से लगभग 50 मीटर की दूरी पर होने पर वहां से हटाने की कार्यवाही प्रस्तावित जावेगी। इसी प्रकार बजरंग मेडीकल स्टोर पर कैमरा लगा था लेकिन मॉनिटर चालू नहीं था। सुरेश मेडीकल स्टोर मिर्ची मार्केट कैपरे बालू नहीं है, जनता मेडीकल में कैमरे नहीं लगे, बालाजी मेडीको में कैमरा खराब एवं बंद पाया गया, मयूर मेडीकल एवं सर्जिकल स्टोर मेडीकल पर कैमरे नहीं लगे होने से संबंधित मेडीकल स्टोर्स के संचालकों के विरूद्ध नोटिस की कार्यवाही की जायेगी।

हत्या के आरोपी ने की आत्महत्या, सिविल लाइन थाना मुरैना में पुलिस अधीक्षक ने तीन को किया सस्पेंड

जितेन्द्र त्यागी ब्यूरो चीफ मुरैना
दैनिक पुष्पांजलि टुडे

मुरैना। सिविल लाइन थाना मुरैना में एक हत्या के आरोपी द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद जिले में हड़कंप मच गया है। आरोपी ने थाने में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, जिसके बाद पुलिस प्रशासन में खलबली मच गई। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ ने तुरंत कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी (टीआई) राम बाबू यादव सहित तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। हालांकि, इस घटना के पीछे के वास्तविक कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।मुरैना पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, आरोपी की आत्महत्या के मामले में प्रथम दृष्टया थाना प्रभारी सिविल लाइन, प्र.आर. लेखक थाना सिविल लाइन, एवं रात्रि संतरी ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों की लापरवाही पाई गई है, जिसके चलते उन्हें निलंबित कर दिया गया है। इस मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। प्रेस नोट में यह भी बताया गया है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा मामले की *मर्ग जांच* की जा रही है। मृतक के शव का परीक्षण डॉक्टरों के पैनल से कराया जाएगा और इसके लिए शव को जांच के लिए रवाना किया गया है।

पुलिस का अनुरोध–प्रेस नोट के माध्यम से पुलिस प्रशासन ने सभी पक्षों से अनुरोध किया है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। मौजूदा स्थिति में, पुलिस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन इस आत्महत्या के पीछे की सच्चाई सामने आनी बाकी है। क्या इस मामले में किसी और की भी जिम्मेदारी थी? और आखिर ऐसा क्या हुआ कि हत्या के आरोपी को अपनी जान देनी पड़ी? यह सवाल अभी तक अनसुलझा है और सच्चाई के सामने आने के लिए समय का इंतजार किया जा रहा है।

आगे की जांच जारी

–जांच अधिकारीयों का कहना है कि मामले की पूरी जांच की जा रही है और सच्चाई को उजागर किया जाएगा। उम्मीद है कि जल्द ही इस मामले में और भी तथ्य सामने आएंगे, जिससे पता चल सकेगा कि आरोपी ने आत्महत्या क्यों की और इसके लिए कौन-कौन जिम्मेदार हैं।

नारी के लिए साज-श्रृंगार भी जरूरी

पति-पत्नी का रिश्ता वफादारी तथा देखभाल के अलावा और भी बहुत कुछ मांगता है जिसके लिए आपको आकर्षक और सुंदर सलोना दिखना ही चाहिए।

विवाह जीवन का सबसे खूबसूरत मोड़ है लेकिन यह भी आश्चर्यजनक सत्य है कि अक्सर इसके बाद पित्नयां अपने सौंदर्य और आकर्षण की उपेक्षा करने लगती हैं। विवाह के समय वधू के हाथों में लगने वाली हल्दी मानो वधू का पीछा ही नहीं छोड़ती और रसोईघर में मसालों की गंध में लिपटी पत्नी के प्रति पति का आकर्षण धीरे-धीरे कम होने लगता है।

यही वह समय है जब पत्नियों को जीवन का यह शाश्वत सत्य समझ लेना चाहिए कि अगर उन्हें बेतरतीब, बढ़ी दाढ़ी और अस्त-व्यस्त कुर्ते-पायजामा में अखबार में चिपके पतिदेव पर खीज होती है तो उनका भी आपके बिखरे बाल, मुड़ी-तुड़ी साड़ी और मसाले-पसीने से महकती देह से मुंह मोड़ लेना नितांत स्वाभाविक है।

पति-पत्नी का रिश्ता वफादारी तथा देखभाल के अलावा और भी बहुत कुछ मांगता है जिसके लिए आपको आकर्षक और सुंदर-सलोना दिखना ही चाहिए। थोड़ी-सी शोखियां और थोड़ी-सी शरारतें आपके वैवाहिक जीवन को स्थायी रूप से मधुमास बना देंगी।

इस दिशा में शुरूआत करने से पहले एक बड़ी ही महत्वपूर्ण बात को गांठ बांध लें कि जीवन साथी को प्रसन्न करने में न तो कोई बुराई है और न ही यह अहं का सवाल है। अगर शादी के बाद आपकी खुशी के लिए वह अपनी प्यारी मूंछों की कुर्बानी दे सकते हैं, आपकी प्रसन्नता के लिए मनपसंद नीली शेड को त्याग कर भूरे और काले शेड के परिधान पहन सकते हैं तो उनकी खुशी के लिए थोड़ा-सा स्लिम होकर कभी-कभी उनके मनपसंद आउटफिट को क्यों नही पहन सकतीं।

- सुगन्ध सभी को आकर्षित करती है इसलिए अंतरंग क्षणों में किसी बढ़िया परफ्यूम अथवा इत्र का प्रयोग अवश्य करें। सुबह उनके ऑफिस निकलने से पहले उसी सुगंध में डूबा एक शरारती-सा नोट लिख कर ब्रीफकेस में रख दें। फिर देखिए, उनकी शाम के साढ़े पांच सीधे पर की देहरी पर ही बजेंगे।
- ढीले-ढाले कपड़े पहनने में अच्छे रहते हैं लेकिन आपके वार्डरोब में चटख रंग और लेटैस्ट फैशन के टाइट्स और हाई हील प्लेटफार्म भी होने ही चाहिएं।
- आपकी बदली पसंद केवल पोशाक में ही नहीं, अंतर्वस्त्रों के मामले में भी दिखनी चाहिए जिसका मूलमंत्र है 'जितना आधुनिक, उतना आकर्षक'। पतिदेव को फैशन परेड और फिल्मी मैगजीन घूरने पर क्यों टोकती हैं? हीरोइनों और मॉडलों को तो केवल देखा भर जा सकता है लेकिन असली रानी तो आप हैं। मेकअप केवल मॉडलों के लिए ही नहीं है आप भी उसमें उतनी ही अच्छी लगेंगी।
- कौन कहता है कि आपकी शादी हुए पांच साल हो जाने का मतलब केवल चूल्हा-चौका और परिवार तथा नौकरी की व्यवस्था है। घर-कार्यालय की उलझनों में से थोड़ा समय निकालिए और पतिदेव को मनाकर निकल पड़िए। सनसनीखेज सप्ताहांतों के लिए जरूरी नहीं कि आपका यह 'मिनी हनीमून' किसी हिल स्टेशन अथवा रिसोर्ट में ही मनाया जाए। इसकी पहली और आखिरी शर्त है प्राइवेसी।
- भरी भीड़ में चुपके से पतिदेव को छेड़ देने की शरारत खूब कामयाब रहती है। जरा सोच कर तो देखिए कि वह रैस्टोरैंट में भोजन का आर्डर दे रहे हों और आप कपड़े से ढकी मेज के नीचे अपने पैरों से धीरे-धीरे उनके पैरों पर गुदगुदी कर दें। यकीनन वेटर को वह कुछ की जगह कुछ आर्डर दे जाएंगे।

और खाने के बाद मीठा, ऐसी शरारत करने से पहले घर के फ्रिज में खीर ठंडी करने को रख दीजिए। इन शोखियों के बाद अब भला रैस्टोरैंट में ठहरने का समय किसके पास होगा।

कर्ड सैंडविच

सामग्री : 1 कप दही, 6 स्लाइस ब्रैड, 1 कप बारीक लम्बाई में कटी हुई पत्तागोभी, शिमला मिर्च और गाजर, आधा टीस्पून अदरक का पेस्ट, 3-8 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार, छौंक के लिए थोड़ी-सी राई और तेल।

विधि : दही को छलनी में डालकर एक तरफ रख दें, दही का पानी निकलते ही सभी सब्जियां, अदरक, हरी मिर्च और नमक मिला लें। हरी धनिया बारीक काटकर मिला लें। तवे पर 2 टीस्पून तेल डालें। राई डालकर चटकने दें। दही का मिश्रण दो ब्रैड के बीच भरकर तवे पर रख दें और क्रिस्पी होने तक सेंक लें। सॉस या चटनी के साथ सर्व करें।

शिशु के सौंदर्य का रखें ख्याल

सौंदर्य और सुंदर त्वचा पर मात्र युवा वर्ग का ही अधिकार नहीं है बल्कि इस पर बाल वर्ग का भी उतना ही अधिकार है जितना कि युवा वर्ग का। जन्म के समय नवजात शिशु की त्वचा एवं शरीर बेहद कोमल, नर्म और बेदाग होता है किन्तु समय के साथ-साथ त्वचा की सुरक्षा में बरती गई छोटी-सी असावधानी काफी सीमा तक खतरनाक सिद्ध होती है।

शिशु को जन्म के उपरांत कई प्रकार के वातावरण का सामना करना पड़ता है। कई माता-पिता अपने शिशु के स्वास्थ्य और सौंदर्य के प्रति लापरवाह होते हैं तो कई इतने जागरूक होते हैं कि उनकी शिशु के प्रति अधिक जागरूकता और आवश्यकता से अधिक देखरेख भी शिशु के स्वास्थ्य और त्वचा को हानि पहुंचाती है, जैसे कि मां द्वारा शिशु को दिन में कई-कई बार साबुन से नहलाना, अपने क्रीम-पाऊडर का उसकी त्वचा पर प्रयोग करना आदि। ऐसे कई कारण हैं जिसके कारण शिशु की त्वचा खराब हो जाती है और संक्रमित होकर अनेक रोगों एवं समस्याओं को निमंत्रण दे देती है- जैसे कि एलर्जी, त्वचा का फटना, फोड़े-फुंसी आदि। यदि आप अपने शिशु को स्वस्थ और सुंदर रखना चाहती हैं तो कृपया निम्न सावधनियों का पालन अवश्य करें:

शिशु की त्वचा संबंधी कुछ सावधानियां

- शिशु की त्वचा पर क्रीम और कॉस्मैटिक का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- शिशु की त्वचा यदि शुष्क हो तो माइश्चराइजर के स्थान पर जॉनसन बेबी ऑयल या बादाम अथवा जैतून का तेल प्रयोग करना चाहिए।
- सप्ताह में एक या दो बार बेसन में दूध मिला कर उस पेस्ट को बच्चे के शरीर पर हल्के हाथों से मलना चाहिए, इस प्रयोग से त्वचा के भीतर तक की सफाई हो जाती है।
- शिशु की त्वचा पर साबुन का प्रयोग अधिर नहीं करना चाहिए, इससे शिशु की त्वचा क्षारीय बन जाती है और बैक्टीरिया भी सक्रिय होकर बच्चे की त्वचा को हानि पहुंचा सकते हैं।
- शिशु के शरीर पर नियमित जैतून के तेल की मसाज करनी चाहिए, इससे बच्चे की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

ऑफिस में सेंस ऑफ ह्यूमर

जरा सोचिए हंसी के बिना हमारी लाइफ कितनी बोरिंग होती। सुबह ट्रैफिक की रेलमपेल झेलते हुए जब हम ऑफिस पहुंचते हैं तो वहां भी कई तरह की परेशानियां पहले से ही हमारे स्वागत के लिए तैयार खडी होती हैं। समझ नहीं आता कि इतने कम समय में ढेर सारा काम कैसे पूरा किया जाए। ऐसे में आपका एक कलीग अचानक कोई ऐसी बात कहता है कि आप सब एक साथ हंस पडते हैं। मिनटों में आपका सारा तनाव छूमंतर हो जाता है और थोडी ही देर में आप पूरी ऊर्जा के साथ अपने काम में जुट जाते हैं।

मुश्किल से मिलता है मौका

रोने के हजारों बहाने सभी के पास होते हैं, पर हंसने का मौका हमें बडी मुश्किल से मिलता है। खास तौर से ऑफिस के आपा धापी और अनुशासन भरे माहौल में अगर कभी कोई हंसने वाली बात हो तो हमें उसका लुत्फउठाने से चूकना नहीं चाहिए। एक विज्ञापन एजेंसी में कार्यरत मुग्धा घोष बताती हैं, एक रोज कुछ ऐसा संयोग हुआ कि ऑफिस की एक पार्टी में मैं और मेरी एक कलीग दोनों बिलकुल एक जैसी ड्रेस पहन कर आ गए। हमें साथ देख कर सब हंस पडे। हंसी के इस पल को हमने भी खूब एंज्वॉय किया।

अचूक औषधि है हंसी

मनोवैज्ञानिक सलाहकार डॉ. अशुम गुप्ता कहती हैं, आजकल कई मल्टीनेशनल कंपनियां अपने कर्मचारियों को तनावमुक्त करने के लिए कुछ महीनों के अंतराल पर उनके लिए पिकनिक या पार्टियों आयोजन करती हैं, ताकि लोग अपने सहकर्मियों के साथ हलके-फुलके माहौल में बातचीत करके एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझ सकें। कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां का माहौल बहुत तनावपूर्ण होता है। जैसे-आर्मी, पुलिस, मेडिकल प्रोफेशन आदि। यहां काम करने वाले लोगों के लिए यह बहुत जरूरी है कि वे अपने लिए हंसी-खुशी के कुछ पल ढूंढ कर खुद को तनावमुक्त रखने की कोशिश करें। इसी वजह से आजकल ऐसे महकमों में योग, काउंसलिंग और लाफ्टर थेरेपी से संबंधित कई वर्कशॉप आयोजित किए जाते हैं।

हंसें, पर जरा संभलकर

- काम के बीच में दो-चार मिनट के लिए हंसी-मजाक करना तो ठीक है, लेकिन यह सेशन ज्यादा लंबा नहीं चलना चाहिए।
- अच्छे सेंस ऑफ ह्यूमर की निशानी यही है कि आप केवल दूसरों पर नहीं, बल्कि खुद पर भी हंसना सीखें।
- इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि आपकी बातों से किसी की भावनाएं आहत न हों।
- कुछ लोग छोटी-छोटी बातों का बहुत जल्दी बुरा मान जाते हैं। ऐसे लोगों पर किसी भी तरह की टीका-टिप्पणी करने से बचें।
- हर ऑफिस में पुरुषों के साथ स्त्रियां भी काम करती हैं। इसलिए सभी को इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि मजाक में कोई ऐसी बात न कही जाए, जिससे दूसरा व्यक्ति असहज महसूस करे।
- एसएमएस या ईमेल के जरिये एक-दूसरे को जोक्स भेजते समय शालीनता की सीमाओं का हमेशा खयाल रखें।
- जिन लोगों का सेंस ऑफ ह्यूमर अच्छा होता है, ऐसे लोग कभी-कभी अनजाने में दूसरों को डिस्टर्ब कर रहे होते हैं। इसलिए हमें अपने सेंस ऑफ ह्यूमर का सही मौके पर इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए ऑफिस का कैफेटेरिया सबसे अच्छी जगह है। जहां आप अपने साथियों के साथ दिल खोल कर हंस सकते हैं।
- अगर आपको कोई अच्छा सा जोक याद आ रहा है, तो फिर देर किस बात की उसे अपने साथियों के साथ शेयर कीजिए और तनाव को भूल जाइए।

अब डैंड्रफ रहे काबू में

बारिश के मौसम में उमस और पसीने से बालों में चिपचिपाहट हो जाती है। रूसी एक प्रकार की निर्जीव त्वचा है, जो बालों की जडों के आसपास जमा हो जाती है। इसलिए अपने बालों को साफ रखें और महीन दांतों वाली कंघी का प्रयोग करें। ताकि सिर की त्वचा से आसानी से रूसी बाहर निकल जाए। यहां हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब बता रहे हैं, उपयोगी टिप्स।

- बालों में प्रतिदिन ब्रश करने और मालिश करने से डैंड्रफकी समस्या से छुटकारा मिल सकता है, क्योंकि इन उपचारों से रक्तसंचार तीव्र गति से होता है और मृत त्वचा निकल जाती है।
- गर्म ऑलिव ऑयल में कुछ बूंदें अदरक के रस की डालकर इससे सिर पर कुछ देर मालिश करें। आधे घंटे तक बालों में लगा रहने के बाद शैंपू कर लें।
- बालों में रूसी होने से बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। ऐसे में प्याज का रस लगाएं। आधा घंटे बाद एक मग में नीबू की कुछ बूंदें डाल कर उस पानी से धोएं।
- नीम की पत्तियों का रस नीबू के रस में मिलाकर सिर में लगभग तीस मिनट तक लगाएं। फिर शैंपू कर लें या फिर शैंपू करने के बाद सिरके और नीबू का रस बराबर मात्रा में लेकर 5-10 मिनट तक के लिए सिर में लगा रहने दें। उसके बाद बालों को धो लें।
- जोजोबा ऑयल और कोकोनट ऑयल को मिलाकर उंगली के पोरों से धीरे-धीरे सिर की त्वचा पर मालिश करें। इसके बाद गर्म पानी में भीगे तौलिये को निचोडकर थोडी देर तक सिर पर लपेटकर रखें। आधे घंटे बाद शैंपू करें।

खूबसूरत बाल हर पल साथ

जब हम चाहते हैं कि किसी खास उत्सव पर हमारे बाल बेहद अच्छे दिखें तो जाने-अनजाने कोई ऐसी गडबड हो ही जाती है, जिससे पूरे दिन हम परेशान रहते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही होता है तो हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब के कुछ आसान टिप्स अपनाकर आप पार्टी की शान बन सकती हैं।

- **स्मार्ट हेयर कट**

बालों का कट ऐसा होना चाहिए जो आपके चेहरे पर सूट करे और आपकी जीवनशैली के अनुकूल हो। इसके अलावा नियमित रूप से बालों की ट्रिमिंग कराएं। ऐसा हेयरस्टाइल बनाएं, जिसे संभालना आपके लिए आसान और संभव हो।

- **जरूरी है हेयर एक्सेसरीज**

बालों को संवारने के लिए खुद पर सूट करने वाली हेयर एक्सेसरीज का संग्रह करें। मौके की नजाकत को ध्यान में रख कर आप इन एक्सेसरीज का प्रयोग करके स्टाइलिश दिख सकती हैं।

- **सही हेयर प्रोडक्ट का करें चयन**

बालों के लिए जो भी प्रोडक्ट इस्तेमाल करें वे आपके बालों की किस्म के अनुरूप होने के साथ ही बेहतरीन क्वॉलिटी के होने चाहिए। जहां तक हो हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट के अधिक प्रयोग से बचें। रूखे बालों के लिए कंडिशनर युक्त शैंपू का इस्तेमाल करें। तैलीय बालों के लिए सिट्रस युक्त शैंपू और अन्य हेयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करें ताकि आपके बालों की अतिरिक्त चिपचिपाहट दूर हो जाए। रूखे बालों पर हॉट हेयर रोलर, हॉट एयर ड्रायर, पर्म या ब्लीच का प्रयोग न करें।

- **सिर का मसाज**

हफ्ते में एक-दो बार गुनगुने ऑलिव ऑयल या आमंड ऑयल से सिर की त्वचा की मालिश से बालों को पोषण मिलता है। साथ ही रूखे बालों को जरूरी मॉयस्चर भी मिल जाता है। इसके बाद बालों को अच्छे नरिशिंग शैंपू से धो लें।

ब्रेड इडली

सामग्री : 6 ब्रेड स्लाइस, 2 उबले हुए आलू, 1 टी स्पून हरी मिर्च (बारीक कटी), 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टे.स्पून हरा धनिया (बारीक कटा), 1 टी स्पून (जीरा, उड़द की दाल, राई या सरसों), 1 कप दही, 2 टे.स्पून तेल, नमक स्वादानुसार।

विधि : उबले हुए आलू को छीलकर मैश कर लें। अब इसमें बारीक कटी हरी मिर्च, नमक, धनिया पाउडर और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें। दही को हल्का सा फेंट लें।

एक पैन में आधा टी स्पून तेल गरम करके उसमें जीरा, सरसों के दाने और उड़द की दाल डालकर चटकने दें। अब इस छौंक को फेंटी हुई दही में डाल दें।

ब्रेड को कटोरी या गिलास की सहायता से गोलाकार में काट लें। ब्रेड की एक तरफआलू का मिश्रण लगा दें।

एक पैन में तेल गरम करें और उसमें आलू लगी तरफसे ब्रेड को डाल दें। ब्रेड की दूसरे हिस्से पर 2 चम्मच दही का मिश्रण डालकर फैला दें। और फ्राइंग पैन को 2 मिनट के लिए ढक्कन से ढक दें। लीजिए तैयार है गर्मागर्म ब्रेड इडली इसे तुरंत सर्व करें।

रक्तदान करने से हमें आत्म संतुष्टि मिलती है: ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर

जन कल्याण संघर्ष समिति द्वारा आयोजित शिविर में 72 लोगों ने किया रक्तदान

महेंद्र शर्मा उप संपादक
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर । जन कल्याण संघर्ष समिति के तत्वावधान में रविवार को मिलन गार्डन रमटापुरा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनकल्याण समिति के 72 दानवीरों ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया।इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने रक्तदान के महत्व को प्रतिपादित करते हुए कहा कि हमारे दान किए गए रक्त से कई लोगों की जिंदगी बचती है। रक्तदान का कितना महत्व है, इसका अहसास हमें तब होता है, जब हमारा कोई निकटतम व्यक्ति जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा होता है। रक्तदान कर हम जहां एक ओर किसी की जान बचाते हैं, वहीं दूसरी ओर इससे जबर्दस्त

आत्म संतुष्टि मिलती है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि कई लोग रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों के कारण रक्तदान करने से कतराते हैं, जबकि इससे कोई हानि नहीं होती बल्कि रक्तदान से हमारा शरीर स्वस्थ और चुस्त-दुरुस्त रहता है। अतः हम सभी को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।उन्होंने कहा कि जन कल्याण संघर्ष समिति द्वारा रक्तदान शिविर लगाकर प्रेरणादायी कार्य किया गया है। पीड़ितों की सेवा से बढ़कर कोई दूसरा कार्य नहीं हो सकता। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि रक्तदान इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका किसी फैक्ट्री में निर्माण नहीं हो सकता। आकस्मिक रूप हुई दुर्घटना में घायल और गंभीर रूप से पीड़ितों का जीवन बचाने के लिए दान किया गया रक्त ही काम आता है। अतः हमें रक्तदान के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने ऐलान किया कि आगामी 8 सितम्बर को जन कल्याण संघर्ष समिति द्वारा रक्तदान करने वाले सभी युवा दानवीरों का प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मान किया जाएगा।

झोलाछाप डॉक्टर के द्वारा मरीजों की जान के साथ किया जा रहा खिलवाड़

ग्वालियर रोड पर संचालित हो रहा है क्लिनिक

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भिण्ड शहर में मुख्यमंत्री के आदेशों की उड़ाई जा रही धज्जियां मुख्यमंत्री के आदेशों के बाद भी भिण्ड में झोला छाप डाक्टरों पर कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही है।झोलाछाप डॉक्टर के द्वारा मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है डाक्टर के द्वारा मरीजो को खड़े में ही इंजेक्शन लगा दिए जाते है मरीज को खड़े में इंजेक्शन लगाने से घट सकती है कोई बड़ी घटना। खड़े में इंजेक्शन लगाने से मरीज को चक्कर भी आ सकते है मरीज जमीन पर भी गिर सकता है। साथ ही कोई अप्रिय घटना भी घट सकती है।झोलाछाप डाक्टर के द्वारा मेडिकल खोलकर मेडीकल के नाम पर मेडिकल के ही अंदर क्लीनिक को चलाया जा रहा है मरीज को खड़े में ही इंजेक्शन लगा दिया जाता है।साथ ही

मरीजों पर बराबर बोतल लगाई जा रही है।सूत्रों की माने तो डाक्टर के पास कोई भी रजिस्ट्रेशन नहीं है नाही कोई भी डॉक्टरी की डिग्री है।सूत्र बताते हैं कि फर्जी तरीके से डॉक्टर साहब द्वारा क्लीनिक को चलाया जा रहा है फिर भी क्यों नहीं की जाती कोई कार्यवाई।स्वास्थ्य विभाग की अनदेखी के कारण लोगों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। ऐसे डॉक्टरों पर वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा कार्यवाही क्यों नहीं की जाती है।क्या ले दे के मामले को शांत कर दिया जाता है अगर नहीं तो फिर ऐसे क्लीनिक कैसे संचालित हो रहे हैं।

चार हजार करोड़ के निवेश की जानकारी तो पचा गये अधिकारी, मुख्यमंत्री को क्यों नहीं बताया

ग्वालियर। ग्वालियर की रीजनल इण्डस्ट्रीज कान्क्लेव में आईआईडीसी व अन्य विभागीय अधिकारियों ने उद्योगों के निवेश की सही जानकारी मुख्यमंत्री व एमएसएमई मंत्री को नहीं दी अन्यथा निवेश के आंकड़े चार गुना होते। आईआईडीसी ने केवल अडाणी व अंबानी सहित एक स्थानीय छोटे उद्योगपति को ही प्रमोट किया। अन्य बड़े उद्योगपतियों व निवेशकों की सही जानकारी ही मुख्यमंत्री तक नहीं पहुंचाई नहीं तो रीजनल कान्क्लेव ऐतिहासिक साबित होती। लगभग एक दर्जन बड़े निवेशक इस कान्क्लेव में करार को तैयार थे।

एक निवेशक को कोलकाता से रेल वैगन कारखाने के लिये आये थे, उन्हें 1700 करोड़ का निवेश करना था। वहीं स्थानीय चार बड़े औद्योगिक घराने की लगभग 1500 से 2000 करोड़ के विस्तारीकरण के करार के लिये तैयार थे। इनके विस्तारीकरण का काम वैसे चल ही रहा है। यदि आईआईडीसी के अधिकारी मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव व एमएसएमई मंत्री चेतन कश्यप की जानकारी में डालते और मंच पर उन्हें बुलाकर मुख्यमंत्री से मिलवाते तो कान्क्लेव की बात ही अलग होती। क्योंकि जो उद्योग पहले से यहां उत्पादन प्रक्रिया में लगे हैं और वह विस्तारीकरण करते तो उसका मैसेज बेहतर जाता। जिससे अन्य उद्योग यहां आने को तैयार रहते बल्कि छोटे छोटे निवेशक भी इन बड़ी औद्योगिक इकाईयों की सहायक इकाईयां स्थापित करने में पहल करते। कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि पूरी इण्डस्ट्रीज कान्क्लेव मात्र एक-दो निवेशकों को प्रमोट करने के लिये आईआईडीसी व एमपीडीसी के अधिकारियों ने करा दी। सूत्रों का कहना है कि अन्य बड़े उद्योगों के निवेश की जानकारी संभवतः मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को नहीं दी गई थी।

कलेक्टर के आदेश के बाद भी भिंड जिले के मौ नगर में प्राइवेट स्कूलों द्वारा किताबो पर की जा रही है अवैध वसूली

उप संपादक महेंद्र शर्मा पुष्पांजलि टुडे

भिंड जिले के मौ नगर में प्राइवेट स्कूलों के द्वारा किताबों पर सरकार द्वारा एन.सी.आर.टी.लागू होने के बाद भी प्राइवेट स्कूलों में तीन किताबें ई.वी.एस., इंग्लिश ग्रामर, कंप्यूटर चलाई जा रही हैं जिनकी कीमत लगभग 700 से 800 रुपए है गरीब लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कलेक्टर के आदेश के बाद भी भिंड जिले के मौ नगर में प्राइवेट स्कूलों के द्वारा किताबों के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है स्कूल में जाकर बच्चों के अभिभावकों ने मास्टरों को बताया की इन किताबों की रेट तो बहुत ज्यादा है तो स्कूल मास्टरों का कहना है कि बच्चों को पढ़ाना है तो आपको यह तीन बुक लेना ही पड़ेगी प्राइवेट स्कूल वाले मनमानी फीस तो वसूल ही रहे हैं साथ में अब किताबों पर भी अवैध वसूली कर रहे हैं जिला कलेक्टर के निर्देश पर एक महीने तक कोई बुक पर ज्यादा पैसा नहीं लिया जा रहा था मगर अब सभी प्राइवेट स्कूलों ने फिर से किताबों के नाम पर लोगों को लूटना शुरू कर दिया है सभी प्राइवेट स्कूलों ने अपनी किताबों को प्राइवेट दुकानों पर रखवा दिया है वहां पर रेट के हिसाब से किताबें बेची जा रही है जो किताबों पर रेट डली है उनसे 1 रुपए भी काम दुकानदार करने को तैयार नहीं है उनका कहना है कि हम क्या कर सकते हैं स्कूल वालों की किताबें हैआज के समय में पढ़ाई पहले से ही महंगी हो गई है स्कूलों की बढ़ती हुई फीस की वजह से लेकिन अब किताबों से भी लूट चालू कर दी गई है। अगर ऐसे ही किताबों के दाम बढ़ते गए तो शिक्षा का हर गरीब के घर पहुंचना भी एक समय में मुश्किल हो जायेगा। सभी को यह समझना चाहिए की शिक्षा कोई व्यापार नहीं, बल्कि भारत के भविष्य को संवारने वाली भारत की भावी पीढ़ी के विकास की नींव है। किताबों का मूल्य उतना ही रखा जाए जितना की शासन द्वारा निर्धारित हैं अन्यथा यह गरीब बच्चों के विकास और उत्थान में बहुत बड़ी बाधा बन खड़ा हो सकता है।गरीब बच्चों के हित में जिला प्रशासन को इस पर शीघ्रता से विचार व जांच की आवश्यकता है।

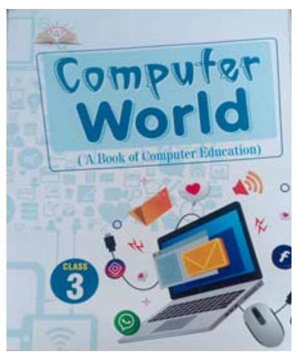

कभी भी खुल सकते हैं तिघरा बांध के गेट, जलस्तर 738 फीट पर

ग्वालियर। ग्वालियर की लाइफलाइन कहे जाने वाले तिघरा बांध के गेट कभी भी खुल सकते है। तिघरा का जलस्तर 738 फीट पर पहुंच चुका है। बांध पर पीएचई विभाग के अधिकारी लगातार निगाह रखे हैं। अगर तिघरा का वाटर लेवल 739 पार होता है तो बांध के गेट खोलकर पानी निकाला जायेगा। गेट खोले जाने से पहले बांध के आसपास के गांवों में मुनादी कराई जायेगी और सायरन बजाकर पानी निकाला जायेगा। मौसम विभाग ने भी आगामी 48 घंटों में ग्वालियर में तेज बारिश की चेतावनी दी है। वहीं ककैटो से भी नहर के जरिये तिघरा में लगातार पानी आ रहा है। इसके चलते बांध कभी भी ओवरफ्लो हो सकता है।

इंस्टाग्राम पर दोस्त से हुआ प्यार की शादी, अब पत्नी हुई लापता

ग्वालियर । इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती के बाद युवक युवती ने शादी कर ली और रक्षाबंधन पर युवती अपने मायके गई और रक्षाबंधन करने के बाद वापिस ग्वालियर आने के लिये निकली, लेकिन वह ग्वालियर नहीं पहुंची। पत्नी के लापता हो जाने के बाद उसका पति भूखा प्यासा उसकी तलाश में जुटा हुआ है और एमपी यूपी पुलिस के साथ ही जोनपुर रेलवे स्टेशन पर भी अपनी पत्नी को तलाशने के बाद ग्वालियर पुलिस की शरण में पहुंचा और पुलिस से पत्नी को ढूंढने की गुहार लगाई है।

ग्वालियर के चीनोर में रहने वाले पुरुषोत्तम प्रजापति की मुलाकात अगस्त 2023 में इंस्टाग्राम पर जोनपुर यूपी में रहने वाली सोनाली से हुई थी। सितंबर 2023 में सोनाली उत्तर प्रदेश से भाग कर ग्वालियर आ गई। यहां दोनों ने एक मंदिर में प्रेम विवाह कर लिया। अभी उनकी जिंदगी में सब कुछ ठीक चल रहा था। लेकिन 17 अगस्त को सोनाली ग्वालियर से रक्षाबंधन मनाने के लिए उत्तर प्रदेश के जोनपुर अपने मायके रवाना हुई थी। रक्षाबंधन के बाद सोनाली ग्वालियर के लिए

वापस रवाना हुई, लेकिन सोनाली ग्वालियर नहीं आई। जब पत्नी घर नहीं लौटी तो पति ने उसे फोन किया, लेकिन सोनाली का फोन बंद बता रहा है। लापता पत्नी की तलाश करने के लिए उसने ग्वालियर से लेकर जौनपुर यूपी तक के 20 से ज्यादा स्टेशन खंगाल मारे। पर पत्नी का कहीं पता नहीं चला। ग्वालियर के जौनपुर के बीच प?ने वाले कई शहरों के बस स्टैंड तक पहुंचकर छानबीन की, लेकिन उसको सोनाली नहीं मिली है। जब सभी जगह से हताश हो गया तो लाचार पति अपनी पत्नी को तलाशने के लिए ग्वालियर पुलिस के पास पहुंचा है। उसने पुलिस अधिकारियों से किसी भी हाल में उसकी पत्नी को तलाश कर वापस उसके पास लाने की मांग की है। इस दौरान वह रोने लगा। जिस पर पुलिस अफसरों ने उसे मदद का आश्वासन दिया है। इस मामले में एडिशनल एसपी निरंजन शर्मा ने बताया कि सोनाली के मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवाई जाएगी। जिससे उसकी आखिरी लोकेशन का पता लगाया जा सकेगा। उसी लोकेशन के जरिए स्थानीय पुलिस से सम्पर्क कर आगे की प?ताल शुरू की जाएगी। साथ ही यह भी चल सकेगा कि वह किस-किस के संपर्क में थी।

ड्यूटी के दौरान अच्छा कार्य करने वाले जवानों को प्रतिदिन दिया जायेगा इनामः एसपी सगर

ग्वालियर। महिला संबंधी अंधे कत्ल एवं गंभीर अपराधों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम घोषित किया जायें। अपनी ड्यूटी के दौरान अच्छा कार्य करने वालों जवानों को प्रतिदिन इनाम देकर पुरस्कृत किया जायेगा। यह बात पुलिस कन्ट्रोल रूम सभागार में पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सगर ने ग्वालियर ग्वालियर पुलिस अधीक्षक का कार्यभार ग्रहण करने के बाद बैठक आयोजित कर पुलिस अधिकारियों से कहीं। पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के ट्रेनिंग पर जाने के बाद श्री सगर ने ग्वालियर पुलिस अधीक्षक का कार्यभार सम्हाला। कार्यभार ग्रहण करने के बाद श्री सगर ने पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर अपनी प्राथमिकतायें बताई। पुलिस अधीक्षक श्री सगर ने बैठक में पुलिस अधिकारियों से कहा कि पुलिस को अपने बेसिक पुलिसिंग के साथ अपराध नियंत्रण पर विशेष ध्यान देना चाहिए और महिला संबंधी एवं अन्य गंभीर लंबित अपराधों का समयसीमा में निराकरण करें।

उन्होंने कहा कि अपराध दर्ज होने के साथ ही उसके निकाल पर भी पुलिस अधिकारी ध्यान दें। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित अधिकारियों से आगामी त्यौहारों पर कानून व्यवस्था की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की और कहा कि त्यौहारों के अवसर पर थाना क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतें।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महिला संबंधी अपराधों में फरार आरोपियों के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही की जाएं और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10-10 हजार का इनाम भी घोषित किया जाये। उन्होंने जिले में ड्यूटी के दौरान अच्छा कार्य करने वाले जवानों को प्रतिदिन इनाम देकर पुरस्कृत करने की बात भी कहीं। बैठक में अति. पुलिस अधीक्षक शियाज के.एम., गजेन्द्र सिंह वर्धमान, निरंजन शर्मा, अखिलेश रेनवाल सहित समस्त सीएसपी एवं एसडीओपीगण उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478